RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

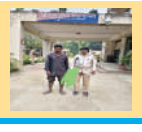
बॉर्डर न्यूज मिरर



"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 269 , शनिवार, 14 नवंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com


आगामी 22 नवंबर को होगा 'पैगाम-ए-आजाद' कॉन्फ्रेंस, देशभर की नामचीन हस्तिया... 03


126 लीटर नेपाली कस्तूरी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार... 04

पांच दिनों में ही 270 करोड़ के पार पहुंचा हिंदी वर्जन का कारोबार 07

अच्छी खबर

एक ड्रोन ने बदल दी झारखंड की घरेलू महिला की जिंदगी

'पायलट भाभी' कहता है पूरा गांव,मोदी भी हुए मुरीद



नई दिल्ली (एजेंसी)। कहते हैं न घर की महिला अगर कुछ करने को ठान ले तो किसी भी कठिन चुनौती को आसान बना देती है। जी हां आज हम आपलोगों को एक ऐसी ही महिला की कहानी बताने जा रहे हैं जो कि अब पूरे गांव में 'पायलट भाभी' के रूप में फेमस हो गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस महिला की मुरीद हो गए हैं और खुद उन्होंने इसकी कहानी बताई। पीएम मोदी ने बताया कि कैसे टेक्नोलॉजी के जरिए महिलाओं की सामाजिक हैसियत भी बदल रही है। एक निजी चैनल के कार्यक्रम में बोलते हुए पीएम मोदी ने 'पायलट भाभी' का जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि खेती के कामों में टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से महिलाओं का सम्मान कैसे बढ़ रहा है मैं इसका एक उदाहरण देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि मैं झारखंड की एक ड्रोन दीदी से बात कर रहा था। उन्होंने मुझे बताया कि उनका स्टेटस पूरी तरह बदल गया है। मैंने उनसे पूछा क्यों। उन्होंने कहा कि अब पूरा गांव उन्हें पायलट भाभी कहता है। यहां तक कि उनके देवर भी उन्हें 'पायलट भाभी' कहते हैं।

पीएम मोदी ने नमो ड्रोन दीदी स्कीम के बारे में बताया

पीएम नरेंद्र मोदी ने नमो ड्रोन दीदी स्कीम के बारे में बात करते हुए कहा कि पहले लोग गांव में एडवांस्ड टेक्नोलॉजी पर पूरी तरह से भरोसा नहीं जताते थे और कहते थे कि यह गांव में सफल नहीं हो पाएगा। लेकिन अब 'नमो ड्रोन दीदी स्कीम' ने गांव की सोच पूरी तरह से बदलकर रख दिया। इस पहल के तहत ट्रेंड महिलाएं कैसे फर्टिलाइजर और कीटनाशकों का स्प्रे करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रही हैं। पीएम मोदी ने कहा कि खेती में ड्रोन एप्लीकेशन का दायरा भी तेजी से बढ़ रहा है और महिलाएं इसमें और अधिक रुचि दिखा रही हैं। बता दें कि नवंबर 2023 में केंद्र सरकार ने 1261 करोड़ रुपये के खर्च के साथ नमो कृष्णा स्कॉब्स को मंजूरी दी थी। इसका उद्देश्य महिलाओं के स्वयं-सहायता समूहों को 15000 खेती के लिए समर्पित करना था। इस पहल में गांव की महिलाओं को फर्टिल ब्रायन और पेस्टीसाइड स्पाइडर करने के लिए ब्रेकफास्ट की ट्रेनिंग दी जाती है, जिससे उन्हें और अधिक रोजगार मिलता है और खेती में सेवा देने वाली बनने में मदद मिलती है।

तीन आतंकियों के पोस्टर जारी

आतंकी वारदात

30 लाख का ईनाम,हिजबुल कमांडर पर शक



जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में दो विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) की हत्या के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। किश्तवाड़ पुलिस ने शुक्रवार को तीन आतंकियों के पोस्टर जारी किए हैं। इनमें मोहम्मद अमीन उर्फ जहांगीर सरूरी, रियाज अहमद उर्फ हजारी और मुदस्सिर हुसैन शामिल हैं। पुलिस ने तीनों की गिरफ्तारी में मदद करने वाली सूचना देने वाले को कुल 30 लाख रुपये का नकद इनाम देने की घोषणा की है। पुलिस के मुताबिक, तीनों आतंकियों पर एसपीओ की हत्या में शामिल होने का आरोप है। आम लोगों से उनकी गतिविधियों और ठिकानों के बारे में जानकारी देने की अपील की गई है। सूचना देने के लिए 9797900958 और 1995357494 नंबर जारी किए गए हैं।

हिजबुल कमांडर जहांगीर सरूरी पर शक

इस वारदात में दच्छन इलाके में लंबे समय से सक्रिय हिजबुल मुजाहिदीन के कमांडर जहांगीर सरूरी उर्फ मोहम्मद अमीन सरूरी पर शक जताया जा रहा है। वह ए++ श्रेणी का आतंकी है और करीब 35 वर्षों से सक्रिय बताया जाता है। उसके साथ रियाज अहमद और मुदस्सिर हुसैन के भी सक्रिय होने की सूचना है। एसओजी लंबे समय से सरूरी की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। पुलिस ने अब तीनों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पोस्टर जारी कर इनाम घोषित किया है। आतंकियों की तलाश में दच्छन के दुर्गम और घने जंगलों में व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। कियार से धरना-मरवाह तक के रास्ते की घेराबंदी कर अतिरिक्त जवान तैनात किए गए हैं। सुरक्षा बल तलाशी अभियान में हेलीकॉप्टर, ड्रोन कैमरों और खोजी कुत्तों की मदद ले रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

राघोपुर-बिदुपुर 6 लेन पुल कहलाएगा 'नीतिश सेतु'

पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 21 नवंबर को बिहार आगमन हो रहा है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि इस अवसर पर प्रधानमंत्री कच्ची दरगाह-राघोपुर-बिदुपुर छह लेन पुल राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसका नामकरण राज्य सरकार की ओर से नीतिश सेतु किया गया है। सीएम सम्राट चौधरी ने बताया कि नीतिश सेतु के शुभारंभ के साथ ही प्रधानमंत्री राजापाकर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जनोपयोगी और विकासात्मक योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी करेंगे।



करीब 9.76 किमी कच्ची-दरगाह बिदुपुर छह लेन गंगा सेतु उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच सड़क संपर्क को नई रफ्तार देगा। इसके चालू होने से पटना से वैशाली पहुंचने में महज 20 से 25 मिनट लगेंगे। अभी इस रूट पर महात्मा गांधी सेतु और दूसरे रास्तों के कारण लोगों को ट्रैफिक जाम और लंबी दूरी की परेशानी झेलनी पड़ती है। गंगा नदी पर पर बने कच्ची दरगाह-बिदुपुर महासेतु की लंबाई 9.76 किमी है, लेकिन एप्रोच रोड समेत पूरी परियोजना 19.76 किमी लंबी है। इस परियोजना पर करीब 5000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च हुए हैं। इसे बिहार की महत्वपूर्ण परियोजना माना जा रहा है।

उग्रवादियों ने फिर खेला 'खूनी' खेल

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार को संदिग्ध उग्रवादियों ने दो वाहनों पर गोलीबारी की। इस गोलीबारी में दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने ये जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना इंफाल-उखरुल रोड पर 'न्यू हेवन' इलाके में हुई, जब हथियारबंद उग्रवादियों ने दो चार-पहिया वाहनों पर गोलियां चलाईं। उन्होंने बताया कि दोनों कारों में



सवार दो पुरुष और दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों वाहनों की विंडशील्ड पर गोलियों के निशान साफ देखे जा सकते हैं। इससे पहले कांगपोकपी के तापहोउ कुकी गांव और पड़ोसी सेनापति जिले के कैलेजंग के पास के इलाके में दो विरोधी गुटों के बीच गोलीबारी हुई थी। इस दौरान 42 वर्षीय एक कुकी महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि दो पुरुष घायल हो गए। मणिपुर में, मई 2023 में घाटी में रहने वाले मैतेई और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी समुदायों के बीच शुरू हुए जातीय संघर्ष में अब तक कम से कम 306 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं इस संघर्ष में 49 लोग लापता और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। इस साल फरवरी से पहाड़ी जिलों में कुकी और नागा समुदायों के बीच हुई झड़पों में 50 लोग मारे गए हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सीएम का हाथ पकड़

मेट्रो को दिखाई हरी झंडी

- बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन के नए हिस्से का किया उद्घाटन

बेंगलुरु (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन के 7.5 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड हिस्से का उद्घाटन किया। यह हिस्सा कलेना अग्रहारा से एसजी पालया तक है। इसके शुरू होने के साथ ही बेंगलुरु का चालू मेट्रो नेटवर्क 100 किलोमीटर के पार पहुंच गया है। उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, राज्यपाल और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ मेट्रो में सफर भी किया। प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को अपने पास बुलाया और उनका हाथ पकड़कर अपने बगल में खड़ा किया। इसके बाद दोनों नेताओं ने मिलकर नई मेट्रो सेवा को हरी झंडी दिखाई। बाद में प्रधानमंत्री ने राज्यपाल सुधा यादव को भी हरी झंडी सौंपी। उद्घाटन के बाद पीएम मोदी



टिकट काउंटर पहुंचे और अतिथियों के साथ मेट्रो का टिकट खरीदा। इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री शिवकुमार, राज्यपाल और मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा के साथ मेट्रो में यात्रा की। इस दौरान प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के बीच हल्के-फुल्के पल भी देखने को मिले। दोनों नेता बातचीत करते हुए हंसते नजर आए।

3470 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ हिस्सा

पिंक लाइन का यह एलिवेटेड हिस्सा करीब 3,470 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। इसमें छह स्टेशन शामिल हैं। ये कलेना अग्रहारा, हुलिमावु, बिलेकाहल्ली-आईआईएमबी, एनएस पालया-जेपी नगर चौथा चरण, जयादेवा अस्पताल और एसजी पालया हैं। यह कॉरिडोर बैनरघट्टा रोड के साथ बनाया गया है। जयादेवा अस्पताल स्टेशन पर यात्रियों को येलो लाइन के साथ इंटरचेंज की सुविधा मिलेगी। नए हिस्से पर मेट्रो सेवाएं शनिवार, 14 नवंबर से आम जनता के लिए शुरू होंगी। इससे बैनरघट्टा रोड और आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों को बेहतर सार्वजनिक परिवहन सुविधा मिलने की उम्मीद है। इससे सड़क यातायात का दबाव और यात्रियों का सफर का समय भी कम हो सकता है। पूरी तरह तैयार होने के बाद पिंक लाइन 21.25 किलोमीटर लंबी होगी। यह दक्षिण बेंगलुरु के कलेना अग्रहारा को उत्तर बेंगलुरु के नागवारा से जोड़ेगी। इस लाइन पर कुल 18 स्टेशन होंगे, जिनमें छह एलिवेटेड और 12 भूमिगत स्टेशन शामिल हैं।

माइक्रोसॉफ्ट सिस्टम ठप, मच गया कोहराम

- तीन फ्लाइट की गई रद्द,2 लेट,यात्री रहे परेशान



शिकागो (एजेंसी)। माइक्रोसॉफ्ट में तकनीकी खराबी का असर भारत की हवाई सेवाओं पर भी पड़ा है। शुक्रवार सुबह स्पाइसजेट ने दिल्ली से उड़ान भरने वाली 3 फ्लाइट्स रद्द कर दीं, जबकि दरभंगा और मुंबई जाने वाली 2 फ्लाइट्स लेट हुईं। इसके अलावा हॉन्गकॉन्ग की बैंकिंग सेवाओं, ऑस्ट्रेलिया की खुफिया सर्विस, जापान के सरकारी सिस्टम और फिलीपींस की अदालतों के कामकाज पर भी असर पड़ा है। दिल्ली एयरपोर्ट ने भी यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसमें एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले फ्लाइट का स्टेटस चेक करने को कहा गया है। इंडिगो और अकासा एयर ने भी यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। दुनियाभर में माइक्रोसॉफ्ट की जरूरी ऑनलाइन सेवाएं करीब 15 घंटे से ठप हैं। ईमेल भेजने, ऑनलाइन मीटिंग करने और क्लाउड पर फाइल सेव करने जैसे काम रुक गए हैं। खराबी का असर दफ्तरों तक ही नहीं रहा, बल्कि स्कूल, अस्पताल और कई देशों में सरकारी कामकाज भी ठप हो गए। वेबसाइट डाउनडिटेक्टर के मुताबिक, दुनियाभर से अकेले माइक्रोसॉफ्ट आउटलुक न चल पाने की कई शिकायत मिली हैं।

एयर इंडिया ने कहा- उड़ानों पर असर नहीं

एयर इंडिया ने बताया कि कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की सर्विस में आई दिक्कत पर नजर रख रही है। फिलहाल उसकी फ्लाइट ऑपरेशन पर कोई असर नहीं पड़ा है। कंपनी के कम्युनिकेशन चैनल भी सामान्य रूप से काम



कर रहे हैं। एयर इंडिया ने कहा कि यात्रियों के ईमेल लगातार मिलते रहें, इसके लिए ईमेल ट्रैफिक को कुछ समय के लिए दूसरे रास्ते से भेजा जा रहा है। कंपनी अपने तय 24 घंटे के समय में ईमेल का जवाब दे रही है। अमेरिका के कई शहरों की सरकारों ने ईमेल से जुड़ी व्यापक समस्याओं की जानकारी दी और निवासियों को सलाह दी कि जरूरत पड़ने पर वे स्थानीय कार्यालयों से फोन के जरिए संपर्क करें। इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी कंपनी वर्कहॉर्स ग्रुप ने इस रुकावट के कारण अपनी तिमाही कमाई (क्वार्टरली अर्निंग्स) से जुड़ी कॉन्फ्रेंस कॉल को टाल दिया।

असम में भीषण सड़क हादसा, 23 की मौत

- काजीरंगा जिले में मिनी बस और ट्रक की हुई भिड़ंत
- इनमें अधिकतर कॉलेज स्टूडेंट

कांजीरंगा (एजेंसी)। असम के काजीरंगा में शुक्रवार को एक तेज रफ्तार मिनी बस और कंटेनर ट्रक में आमने-सामने टक्कर हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हादसे में 23 लोगों की मौत हुई है। हालांकि, न्यूज एजेंसी ने 12 मौतों की पुष्टि की है। मरने वालों में ज्यादातर स्टूडेंट्स हैं। टक्कर के बाद मिनी बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। कई यात्री बस के अंदर फंस गए। रेस्क्यू टीम बस को काटकर शवों को बाहर निकाल रही है। बस में कुल कितने लोग सवार थे, इसकी जानकारी अभी नहीं आई है। मिनी बस बोकाखाट से नगांव की ओर जा रही थी। बस तेज रफ्तार में थी।



घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती किया

हादसे में घायल हुए यात्रियों को इलाज के लिए कोहोरा अस्पताल ले जाया गया है। गंभीर रूप से घायल अधिकांश लोगों को जोरहाट मेडिकल कॉलेज और अस्पताल रेफर कर दिया गया। गोलाघाट के एसपी स्वप्नलिल डेका ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया, हमें शुरुआती जानकारी मिली है कि हादसे में कम से कम 20 लोगों की मौत हुई है। हम सभी मौके पर मौजूद हैं। बस को काटकर शवों को बाहर निकाला जा रहा है। इसलिए संख्या बढ़ने की आशंका है।

भगवान कृष्ण पर टिप्पणी को लेकर छतरपुर में बवाल

- यादव महासभा और धीरेंद्र शास्त्री के समर्थक आमने-सामने
- धाम जाने वाली सड़कों पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात

छतरपुर (एजेंसी)। भगवान श्रीकृष्ण को लेकर बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के कथित विवादित बयान के बाद छतरपुर में विरोध प्रदर्शन ने अब बड़ा रूप ले लिया है। यादव महासभा, ओबीसी महासभा और दामोदर यादव के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने आंदोलन का ऐलान करते हुए बागेश्वर धाम तक पैदल मार्च निकालने की बात कही है। इसे लेकर टकराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। यादव महासभा के लोग वहां जमा होने लगे हैं और दूसरी तरफ बागेश्वर बाबा के समर्थक भी वहां जमा हैं। उनके हाथों में भी लाठी-डंडे हैं। इतना ही नहीं, यादव महासभा के प्रदर्शनकारियों की ओर से बागेश्वर धाम पहुंचकर तालाबंदी करने की चेतावनी भी दी गई है। इसी ऐलान के बाद जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। बागेश्वर धाम की ओर जाने वाले मार्गों पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती है। शुक्रवार को छतरपुर के रेलवे स्टेशन ग्राउंड में बड़ी संख्या में यादव समाज के लोग जुटे। इस प्रदर्शन में केवल यादव समुदाय ही नहीं, बल्कि अन्य समाजों के लोग भी शामिल



हुए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि भगवान श्रीकृष्ण को लेकर की गई टिप्पणी से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और इसी के विरोध में वे आंदोलन कर रहे हैं।

बागेश्वर धाम जाने वाले रास्तों पर पुलिस का पहरा- प्रदर्शनकारियों के बागेश्वर धाम कूच करने के ऐलान को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। छतरपुर एसपी रजत सकलेचा खुद भारी पुलिस बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं। बागेश्वर धाम की ओर जाने वाले प्रमुख रास्तों पर पुलिस बल तैनात किया गया है। कई स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई है। धाम की ओर जाने वाले वाहनों की जांच के बाद ही उन्हें आगे बढ़ने दिया जा रहा है। इसके अलावा दूसरे जिलों से भी अतिरिक्त पुलिस बल बुलाकर छतरपुर में तैनात किया गया है। रेलवे स्टेशन ग्राउंड में जहां प्रदर्शनकारी एकत्रित हो रहे हैं, वहां भी बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद हैं। प्रशासन की कोशिश है कि प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से हो और किसी भी स्थिति में कानून-व्यवस्था प्रभावित न हो। दरअसल, कुछ दिन पहले एक कथा के दौरान धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण की तुलना करते हुए भगवान श्रीकृष्ण को टेढ़ा-मेढ़ा और भगवान श्रीराम को सीधा बताया था। इस टिप्पणी के सामने आने के बाद भगवान श्रीकृष्ण के अनुयायियों और यादव समाज के लोगों में नाराजगी देखने को मिली। विरोध की शुरुआत सोशल मीडिया से हुई।

अब समर्थक और प्रदर्शनकारी आमने-सामने

इस पूरे घटनाक्रम में अब एक नया मोड़ देखने को मिल रहा है। एक तरफ रेलवे स्टेशन ग्राउंड में अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा और दूसरे संगठनों के लोग बड़ी संख्या में जुटे हैं, तो दूसरी तरफ बागेश्वर धाम जाने वाले रास्ते पर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के समर्थकों की मौजूदगी भी बताई जा रही है। ऐसे में दोनों पक्षों के आमने-सामने आने की आशंका को देखते हुए पुलिस विशेष सतर्कता बरत रही है। पुलिस की कोशिश है कि प्रदर्शनकारियों और धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के समर्थकों के बीच किसी भी तरह का सीधा टकराव न हो। बागेश्वर धाम जाने वाले वाहनों की जांच की जा रही है। वहीं प्रदर्शन स्थल और धाम की ओर जाने वाले रास्तों पर पुलिस की तैनाती बढ़ा दी गई है। फिलहाल छतरपुर में माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। एक तरफ भगवान श्रीकृष्ण को लेकर की गई टिप्पणी के विरोध में प्रदर्शनकारी अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ शास्त्री के समर्थक तैयार थे।

संक्षिप्त समाचार

उलार सूर्य मंदिर में छठ पूजा की तैयारियां पूरी, महंत बोले- इस बार 5 लाख से ज्यादा श्रद्धालु आएंगे



पटना। पटना जिले के दुल्हिनबाजार प्रखंड के उलार गांव स्थित सूर्य मंदिर में छठ पूजा की तैयारियां पूरी हो गई हैं। मंदिर के महंत और मुख्य पुजारी अवध बिहारी दास ने बताया कि इस बार 5 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। खरना के दिन से श्रद्धालुओं के पहुंचने का शुरू हो जाता है। मंदिर का इतिहास द्वापर युग यानी भगवान श्रीकृष्ण के समय का माना जाता है। जब उनके पुत्र राजा शाम्ब को श्राप मिला था इसके बाद वो श्राप मुक्त होने के लिए देश के 12सूर्य मंदिरों में उन्होंने पूजा अर्चना की और स्नान किया ।जिसके बाद उन्हें मुक्ति मिली थी। उन्हीं 12 में एक उलार सूर्य मंदिर भी शामिल है। जिसका प्राचीन नाम ओलार्क भी है। महंत के मुताबिक मंदिर में मिली प्राचीन मूर्तियां अब भी प्रशासन के पास है। मंदिर में स्थापित भगवान भास्कर की प्रतिमा भी हजारों साल पुरानी है।यह सूर्य मंदिर देश के 12 अर्घ्य स्थलों में शामिल है। श्रद्धालु यहां छठ पूजा के दौरान आस्था के साथ मन्नत मांगते हैं। भारत के अलग-अलग राज्यों के अलावा विदेशों से भी छठ पूजा करने व्रती और श्रद्धालु पहुंचते हैं। मंदिर परिसर में ऐतिहासिक तालाब भी है। मान्यता है कि जिसमें नहाने से चर्म रोग जैसी बीमारी दूर होती है। पूरे आस्था के साथ पूजा-अर्चना की जाती है। पटना जिला प्रशासन औप मंदिर न्याय समिति की ओर से श्रद्धालुओं के ठहरने, साफ-सफाई, शौचालय की व्यवस्था की गई है। छठ पूजा के दौरान तालाब के पास जिला प्रशासन कंट्रोल रूम बनाएगा। पिछले साल यहां 4 से 5 लाख श्रद्धालु पहुंचे थे। इस बार बिहार के अलग-अलग जिलों के अलावा देश के दूसरे हिस्सों और नेपाल से भी श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। पालीगंज एसडीएम चंदन कुमार ने बताया कि लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा की तैयारी उलार सूर्य मदिर में लगभग पूरी कर ली गई है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर 100 से अधिक जवानों की तैनाती मंदिर परिसर और मुख्य सड़क पर की गई है। इसके अलावा यातायात को भी चार दिनों के लिए डायवर्ट किया गया है। बड़े वाहनों पर रोक लगा दी गई है, ड्रोन के जरिए भी नजर रखी जाएगी। साथ ही मंदिर परिसर में जिला कंट्रोल रूम भी बनाया गया है जिसमें चारों दिन अधिकारी तैनात रहेंगे।

ज्योति बोलीं-खुद को जज से बड़ा समझते हैं पवन सिंह

पटना। 'जज लगातार पवन सिंह को बुला रहे हैं। लेकिन, वे जज का भी मजाक बना रहे हैं। लग रहा है, वे सर्वश्रेष्ठ और सर्वप्रथम हो गए हैं। उनके आगे न जज की बात की कोई वैल्यू है, न ही कानून की।' ये बातें बलिया कोर्ट के बाहर पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह ने कही हैं। दरअसल, भोजपुरी के पावर स्टार पवन सिंह और उनकी पत्नी ज्योति सिंह के बीच तलाक का केस चल रहा है। इससे जुड़े मेंटेनेंस केस में गुरुवार को उत्तर प्रदेश के बलिया कोर्ट में सुनवाई हुई। ज्योति सिंह फैमिली कोर्ट में पेश हुईं, लेकिन, पवन सिंह इस बार भी कोर्ट नहीं पहुंचे। गुरुवार को दोपहर करीब 1:30 बजे ज्योति सिंह कोर्ट पहुंचीं। करीब 15 मिनट बाद वह कोर्ट से बाहर आईं। इस बीच,



पवन सिंह के वकील ने हर्जाने के 3 हजार रुपए का ड्राफ्ट कोर्ट में जमा कर दिया। मामले की अगली सुनवाई 3 दिसंबर, 2026 को होगी। मुझे इस बात का बहुत अफसोस है कि पवन सिंह इतने बड़े पद (बिहार से एमएलसी) पर हैं। लेकिन, उसकी गरिमा का ख्याल नहीं रख रहे हैं। पवन सिंह कोर्ट में बार-बार बुलाए जाने के बावजूद वह पेश नहीं हो रहे हैं। इससे उनका इरादा साफ नजर आता है। उनकी सरकार बेटी को आगे रखकर चुनाव लड़ने की बात करती है। लेकिन आज एक बेटी इतने दिनों से भटक रही है। यह न सरकार को यह दिखाई दे रहा है और न ही पवन सिंह को। ज्योति सिंह ने सरकार से सवाल करते हुए कहा- जिस व्यक्ति को इतना बड़ा पद दिया गया है, क्या वह इस पद के योग्य हैं?

हाजीपुर में चिनिया केले की पैदावार घटी, 10 कट्ठे में सिर्फ 10 घौद उत्पादन, बाढ़ और बारिश से खेती को नुकसान

हाजीपुर। हाजीपुर की पहचान रहा मशहूर चिनिया केला अब धीरे-धीरे विलुप्त होने की कगार पर पहुंच रहा है। बाढ़ और लगातार बारिश के कारण इसकी खेती पर संकट गहराता जा रहा है। इस बार 10 कट्ठे के बागान से महज 10 घौद केले ही निकल सके। लगातार घटते उत्पादन और खेती में हो रहे नुकसान से किसान इसकी खेती से दूरी बनाने लगे हैं। किसानों का कहना है कि बाढ़ और लगातार बारिश से खेतों में पानी जमा हो जाता है। इससे केले के पौधे कमजोर पड़ते हैं और फसल का उत्पादन घट जाता है। कई बार महीनों की मेहनत और खेती में लगाई गई पूंजी भी वापस नहीं मिल पाती। लगातार नुकसान के कारण किसान अब दूसरी फसलों की ओर रुख करने लगे हैं। हाजीपुर का चिनिया केला अपनी मिठास, स्वाद और गुणवत्ता के लिए मशहूर रहा है। स्थानीय बाजारों के साथ दूसरे इलाकों में भी इसकी मांग रहती थी। छठ महापर्व पर व्रती और श्रद्धालु पूजा में चढ़ाने के लिए स्थानीय चिनिया केले को प्राथमिकता देते थे। इसकी खास पहचान के कारण त्योहारों में इसकी मांग बढ़ जाती थी। छठ महापर्व नजदीक आने के साथ बाजारों में केले की मांग बढ़ रही है। लेकिन स्थानीय स्तर पर चिनिया केले का उत्पादन घटने से इस बार लोगों को दूसरे राज्यों से आने वाले केले पर निर्भर रहना पड़ेगा। किसानों के मुताबिक, पहले हाजीपुर के केले से ही स्थानीय बाजारों की जरूरत पूरी हो जाती थी। किसानों का कहना है कि बाढ़ और बारिश से होने वाले नुकसान का सिलसिला जारी रहा तो आने वाले दिनों में चिनिया केले की खेती पूरी तरह सिमट सकती है। किसानों के सामने फसल बचाने के साथ लागत निकालने की चुनौती है। उन्हें उम्मीद है कि सरकार की ओर से उचित सहायता और फसल को मौसम की मार से बचाने के उपाय किए जाएंगे। कभी हाजीपुर की पहचान रहा चिनिया केला अब अपनी ही धरती पर अस्तित्व बचाने की लड़ाई लड़ रहा है।

पप्पू यादव ने बिहार के लिए मांगा आर्थिक पैकेज

हाजीपुर। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 21 नवंबर को प्रस्तावित वैशाली दौरे को लेकर केंद्र सरकार से कई सवाल किए। उन्होंने पूछा कि क्या प्रधानमंत्री इस दौरे के दौरान बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने और विकास के लिए आर्थिक पैकेज की घोषणा करेंगे। हाजीपुर में पत्रकारों से बातचीत में पप्पू यादव ने बिहार में फैक्ट्रियां लगाने के लिए 2 लाख करोड़ रुपए और नदियों से गाद हटाने के लिए 3 लाख करोड़ रुपए देने की मांग की। उन्होंने कहा कि राज्य को विकास की गति तेज करने के लिए बड़े आर्थिक पैकेज की जरूरत है। पप्पू यादव ने कहा कि कांग्रेस संविधान और देश के लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई लड़ रही है। उनके मुताबिक, राहुल गांधी इस मुद्दे पर लगातार आगे रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता देश और बिहार को व्यापक नजरिए से देखते हैं। सांसद ने यह भी कहा कि वह चाहेंगे कि नीतीश कुमार एक बार फिर बिहार का नेतृत्व करें। इससे पहले पप्पू यादव वैशाली जिले के सराय थाना क्षेत्र के नरेंद्र प्रबोधी गांव पहुंचे। यहां उन्होंने गोलीकांड में मारे गए व्यक्ति के परिजनों से मुलाकात की और घटना की जानकारी ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पप्पू यादव ने नरेंद्र मोदी, अमित शाह और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री का जिक्र किया। उन्होंने योगी आदित्यनाथ से कहा कि पहले अपना घर बचाएं, फिर अखिलेश कुमार की चिंता करें। उन्होंने यह भी कहा कि नरेंद्र मोदी की पीठ में खंजर भोंकने की बात की जानकारी नरेंद्र मोदी और अमित शाह को है।

जमीन विवाद में दो पक्षों के 14 घायल, सात एनएमसीएच रेफर

एजेंसी, पटना

गौरीचक थाना क्षेत्र के जमुनापुर में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। इस घटना में दोनों पक्षों के कुल 14 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मारपीट के दौरान लाठी-डंडे, लोहे की रॉड और ईंट से हमला किए जाने की बात सामने आई है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही गौरीचक थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, संपतचक पहुंचाया। घटना की गंभीरता को देखते हुए गोपालपुर थाना की पुलिस से भी सहयोग लिया गया। इसके बाद पुलिस की कई गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र संपतचक में पदस्थापित चिकित्सक डॉ. नुज़रत जमात ने सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया। घायलों में सात लोगों की स्थिति गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना स्थित नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एनएमसीएच) रेफर कर दिया गया।

घायलों में बुजुर्ग से लेकर युवा तक



शामिलः इस मारपीट में घायल लोगों की पहचान चंद्रकेत सिंह (करीब 65 वर्ष), ब्रजेश कुमार (करीब 30 वर्ष), सोनी कुमार (करीब 35 वर्ष), राज कुमार (करीब 33 वर्ष), रोहित सिंह, अमन कुमार, सन्नी कुमार, गुड्डू कुमार, मुरारी कुमार, कुंदन कुमार, श्याम कुमार, शिव प्रकाश उर्फ रामबाबू प्रताप कुमार, करीन सिंह और सौरव कुमार के रूप में हुई है।

जमीन विवाद बनी मारपीट की वजहः

- जमुनापुर में लाठी-डंडे, रॉड और ईंट से मारपीट

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच जमीन को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद मामला हिंसक झड़प में बदल गया। घटना में एक साथ 14 लोगों के घायल होने से इलाके में चर्चा का माहौल है। पुलिस की ओर से मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुंचाने की कार्रवाई की गई।

फिलहाल, विवाद के वास्तविक कारणों, मारपीट की परिस्थितियों और घटना में शामिल लोगों की भूमिका को लेकर पुलिस की जांच से संबंधित विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है। मामले में पुलिस की आधिकारिक पुष्टि और आगे की कार्रवाई का इंतजार है। गौरीचक थाना अध्यक्ष सुमन कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि जमीनी विवाद को लेकर हुई मारपीट में 14 लोग घायल हुए हैं जिनमें 7 लोगों की हालत गंभीर है। उन्हें डॉक्टर ने बेहतर उपचार के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

दोस्तों ने ईंट से सिर कुचला फिर कुएं में फेंके शव

एजेंसी, पटना

- चोरी के सामान के बंटवारे पर हुआ विवाद, पटना पुलिस ने तीन दोस्तों को पकड़ा

पटना में बाढ़ के बरहपुर गांव में गुरुवार को कुएं से मिले दो किशोरों के शव के मामले का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। मृतकों की पहचान रजनीश कुमार (14) और सोनू कुमार (13) के रूप में हुई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कारू बिंद, गोलू कुमार और शिवा के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, सभी एक ही गांव के रहने वाले और दोस्त थे। चोरी किए गए तांबे को बेचने से मिले 800 रुपए के बंटवारे को लेकर विवाद हुआ था। इसी विवाद में दोनों किशोरों की हत्या कर शव कुएं में फेंक दिया गया। एसडीपीओ-1 रामकृष्ण ने बताया कि मामले की जांच के लिए तीन अलग-अलग टीमें बनाई गई थीं। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में आरोपियों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। जांच में यह भी पता चला है कि दोनों किशोर और आरोपी युवक छोटी-मोटी चोरियों में साथ शामिल थे।

चोरी के सामान के बंटवारे को लेकर हुआ था विवादः पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार दोनों युवक बरहपुर गांव के रहने वाले हैं। उनकी रजनीश और सोनू से दोस्ती थी। सोनू कुमार और आरोपी साथ मिलकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। गिरफ्तार गोलू कुमार के स्वीकार किए गए बयान में सामने आया कि हाल में चोरी किए गए तांबे को बेचने से 800 रुपए मिले थे। इसी रकम के बंटवारे को लेकर सोनू और आरोपियों के बीच विवाद चल रहा था। पुलिस का कहना है कि इसी रंजिश में सोनू को गांव के कुएं के पास बुलाया गया। वहां कहासुनी बढ़ने पर गोलू और शिवा ने डंडे और पत्थर से हमला कर उसे बेहोश कर दिया। इसके बाद घटना की जानकारी दूसरों तक पहुंचने के डर से वहां मौजूद चश्मदीद रजनीश को भी मार दिया गया। दोनों के हाथ शर्ट से बांधकर उन्हें कुएं में धकेल दिया गया।

नहाय-खाय पर नदी में नहाने गए 3 किशोर डूबे

एजेंसी, पटना

पटना के बाढ़ अनुमंडल के भदौर थाना क्षेत्र स्थित खजुरार गांव में महाने नदी में नहाते समय तीन किशोर डूबने लगे। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए दो किशोरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जबकि 12 वर्षीय मोहित कुमार की डूबने से मौत हो गई। काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों की मदद से उसका शव नदी से बाहर निकाला गया।

नहाय-खाय के लिए नदी घाट पर गए थे तीनोंः जानकारी के अनुसार, तीनों किशोर छठ पर्व के नहाय-खाय के अवसर पर गांव के पास महाने नदी के घाट पर स्नान करने गए थे। घाट पर अन्य लोग भी नहा रहे थे। इसी दौरान तीनों किशोर गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। किशोरों को डूबता देख स्थानीय लोगों ने शोर मचाया। आवाज



सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और नदी में उतरकर दो किशोरों को बाहर निकाल लिया। हालांकि, तीसरा किशोर पानी में डूब गया। घटना का वीडियो भी सामने आया है। इसमें ग्रामीणों को बारी-बारी से नदी में उतरकर डूब रहे किशोरों को बाहर निकालने की कोशिश करते देखा जा सकता है। घटना की सूचना पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों को भी तलाश अभियान में लगाया गया। काफी देर तक चले प्रयास के बाद मोहित कुमार का शव नदी से बाहर निकाला गया।

पेपरलीक रोकने के लिए स्टूडेंट यूनियन ने दिए 12 सुझाव, फर्जी नौकरी पाने वालों की बर्खास्तगी

एजेंसी, पटना

बिहार की प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपरलीक, धांधली और सेटिंग पर रोक लगाने के लिए बिहार स्टूडेंट यूनियन ने परीक्षा सुधार विशेषज्ञ समिति को 12 सुझाव सौंपे हैं। यूनियन के अध्यक्ष और छात्र नेता दिलीप कुमार ने 13 नवंबर को समिति के सचिव को पत्र लिखकर BPSC, BSSC, BPSSC, CSBC और BTSC समेत सभी भर्ती आयोगों की परीक्षाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग की है।

सरकारी प्रिंटिंग प्रेस में छपें प्रश्नपत्रः दिलीप कुमार ने सुझाव दिया है कि प्रश्नपत्रों की छपाई के लिए बिहार सरकार अपना प्रिंटिंग प्रेस स्थापित करे। उनका कहना है कि पेपरलीक के कई मामलों में प्रिंटिंग प्रेस और उससे जुड़े लोगों की भूमिका सामने आई है। इसके अलावा बायोमेट्रिक, फोटोग्राफी और परीक्षा से जुड़े अन्य कार्यों में केवल सरकारी कर्मचारियों को लगाने की मांग की गई है। यूनियन ने कहा है कि परीक्षा समाप्त होने के बाद अभ्यर्थियों को ओएमआर शीट की कार्बन कॉपी और प्रश्न पुस्तिका दी जाए। कुछ दिनों के



भीतर उत्तर कुंजी जारी हो। वहीं, रिजल्ट के साथ कटऑफ और सभी अभ्यर्थियों के प्राप्तांक भी सार्वजनिक किए जाएं।

TRE-1, 2 और 3 के शिक्षकों के प्रमाणपत्रों की जांच की मांगः यूनियन ने BPSC TRE-4 में रिजल्ट जारी होने से पहले सभी अभ्यर्थियों के दिव्यांगता प्रमाणपत्र, जाति, ईडब्ल्यूएस, एनसीएल और शैक्षणिक प्रमाणपत्रों की जांच कराने की मांग की है। इसके लिए मेडिकल टीम गठित कर दिव्यांग अभ्यर्थियों की जांच कराने का सुझाव भी दिया है। पत्र में TRE-1, TRE-2 और TRE-3 के माध्यम से नियुक्त

- आरोपियों पर आजीवन प्रतिबंध की मांग, 10 साल जेल का सुझाव

शिक्षकों के प्रमाणपत्रों की दोबारा जांच कराने की मांग की गई है। साथ ही दिव्यांगता प्रमाणपत्रों की मेडिकल जांच कर फर्जीवाड़े से नौकरी पाने वालों को बर्खास्त करने, कानूनी कार्रवाई करने और 10 साल तक प्रतिबंधित करने की मांग की गई है।

पेपरलीक करने वालों पर आजीवन प्रतिबंध की मांगः दिलीप कुमार ने पेपरलीक और परीक्षा में किसी भी तरह का फर्जीवाड़ा करने वाले अभ्यर्थियों को सभी प्रतियोगी परीक्षाओं से आजीवन प्रतिबंधित करने और 10 साल तक की जेल की सजा देने का सुझाव दिया है। पेपरलीक माफियाओं की संपत्ति जब्त करने, स्पीडी ट्रायल चलाने और सरकारी नौकरी में होने पर बर्खास्त करने की मांग भी की गई है।

इसके अलावा पीटी, मेंस और इंटरव्यू के लिए एक ही परीक्षा क्रमांक रखने तथा सभी भर्ती आयोगों का वार्षिक परीक्षा कैलेंडर जारी करने का सुझाव दिया गया है।

सम्राट चौधरी से मुलाकात पर प्रशांत किशोर का तंज, बोले- मुलाकात से वे सातवीं फेल से पीएचडी नहीं हो जाएंगे

एजेंसी, पटना

जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से पटना में हुई मुलाकात को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह मुलाकात पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. रवींद्र किशोर सिन्हा के श्राद्ध कार्यक्रम के दौरान हुई थी। यह केवल सामाजिक और राजनीतिक शिष्टाचार के तहत हुई मुलाकात थी। इसका मतलब यह नहीं है कि वे मुख्यमंत्री या सरकार का विरोध करना बंद कर देंगे।

प्रशांत किशोर ने तंज कसते हुए कहा, 'हमारे मिलने से सम्राट चौधरी सातवीं फेल से पीएचडी नहीं हो जाएंगे। अगर उन पर अपराध के आरोप हैं या मैंने उन्हें अपराधी बताया है, तो कल से उन्हें ऋषि-मुनि बताने नहीं लगूंगा।'

मुलाकात का मतलब राजनीतिक समर्थन नहीं - प्रशांत



किशोरः प्रशांत किशोर ने कहा, 'बिहार की संस्कृति हमें सिखाती है कि अगर कोई व्यक्ति मिलता है तो उससे सामाजिक और राजनीतिक शिष्टाचार रखना चाहिए। रवींद्र किशोर सिन्हा के श्राद्ध कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात इसी शिष्टाचार का हिस्सा थी।'

सम्राट चौधरी से कोई व्यक्तिगत लड़ाई नहीं - प्रशांत किशोरः उन्होंने कहा कि उनकी लड़ाई किसी व्यक्ति, जाति या राजनीतिक पार्टी से व्यक्तिगत तौर पर नहीं है। उन्होंने नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव का भी राजनीतिक विरोध किया है, लेकिन उनसे कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है। इसी तरह सम्राट चौधरी से भी उनकी कोई व्यक्तिगत लड़ाई नहीं है। उनकी लड़ाई केवल बिहार में सुधार के लिए है।

PM मोदी के दौरे पर बाढ़, शिक्षा और रोजगार को लेकर सवालः प्रशांत किशोर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे को लेकर भी अपनी अपेक्षाएं रखीं। उन्होंने कहा, 'जब प्रधानमंत्री बिहार आ रहे हैं तो उन्हें राज्य की बुनियादी समस्याओं पर बात करनी चाहिए।' उनकी अपेक्षा है कि प्रधानमंत्री बिहार की जनता को बताएं कि बाढ़ की समस्या से लोगों को कब तक निजात मिलेगी। उन्होंने शिक्षा और रोजगार की स्थिति में सुधार को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों को इन सवालों के जवाब मिलने चाहिए।

राहुल गांधी के फोन टैपिंग मामले पर बोले- पहले भी होते रहे हैं फोन टैपः राहुल गांधी के फोन टैपिंग मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि फोन पहले भी टैप होते रहे हैं। उन्होंने पेगासस मामले का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय जो सूची जारी हुई थी, उसमें उनका नाम भी शामिल था।

सरकार के खिलाफ राजनीतिक लड़ाई जारी रहेगीः प्रशांत किशोर ने दोहराया कि मुख्यमंत्री से शिष्टाचार के तहत मुलाकात करने का यह मतलब नहीं है कि वे सरकार के कामकाज पर सवाल उठाना बंद कर देंगे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक विरोध अपनी जगह है और सामाजिक शिष्टाचार अपनी जगह। बिहार में सुधार के मुद्दे पर उनकी लड़ाई आगे भी जारी रहेगी।

पंजाबी कॉलोनी में मकान में लगी आग बुझाने पहुंचीं दमकल की 8 गाड़ियां

एजेंसी, पटना

पटना के गर्दनीबाग थाना क्षेत्र की पंजाबी कॉलोनी में शुक्रवार को एक मकान में आग लग गई। आग बुझाने के लिए दमकल की आठ गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद अग्निशमन विभाग की टीम ने आग पर काबू पाया। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

मकान दुर्गा मंदिर के पास स्थित है। आग की लपटें देखकर स्थानीय लोगों ने गर्दनीबाग थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और अग्निशमन विभाग को जानकारी दी। इसके बाद दमकलकर्मियों ने आग बुझाने का काम शुरू किया।

आग लगने की सूचना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने पहुंचकर स्थिति संभाली और दमकलकर्मियों को राहत एवं बचाव कार्य में सहयोग किया।

पूजा के दीपक से आग लगने की आशंकाः जिला अग्निशमन पदाधिकारी अभिषेक कुमार ने बताया कि पूजा करने के बाद जलाए गए दीपक से आग लगने की आशंका है। घटना में कोई इंजरी नहीं हुई है। करीब एक घंटे के प्रयास के बाद आग पर नियंत्रण पाया गया। उन्होंने बताया कि कॉलोनी में मकान आसपास सटे होने और रास्ता संकरा होने के कारण दमकल की गाड़ियों को घटनास्थल तक पहुंचाने में परेशानी हुई। मौके पर तीन छोटी और पांच बड़ी, कुल आठ दमकल गाड़ियां भेजी गई थीं। फिलहाल, आग से मकान को हुए नुकसान का आकलन नहीं किया गया है।



छठ पर सुरक्षा जांच सख्त, 150 अतिरिक्त जवानों की तैनाती

एजेंसी, पटना

छठ पर दूसरे राज्यों से बिहार लौटने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ रही है। पटना जंक्शन पर सुरक्षा के लिए रेलवे सुरक्षा बल (RPF) और राजकीय रेल पुलिस (GRP) ने जांच और निगरानी तेज कर दी है। दिल्ली, मुंबई, पंजाब, हरियाणा, गुजरात और सूरत समेत कई जगहों से लोग घर लौट रहे हैं। शुक्रवार को आरपीएफ और रेल पुलिस ने मिलकर विशेष जांच अभियान चलाया। टीमों ने प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, सर्कुलेटिंग एरिया और पार्किंग स्थलों की तलाशी ली। संदिग्ध लोगों और सामान पर नजर रखी गई। यात्रियों के सामान की जांच की गई और प्लेटफॉर्म पर जाने से पहले उनकी तलाशी ली गई।

सुरक्षा के लिए 150 अतिरिक्त जवान तैनात छठ के दौरान सुरक्षा के लिए तीन एजेंसियों के 150 अतिरिक्त जवान तैनात होंगे। इनमें आरपीएफ के 100 और जीआरपी के 50 जवान



शामिल हैं। जवान अलग-अलग जगहों पर गश्त और निगरानी करेंगे। इसके अलावा आरपीएफ की 4 अतिरिक्त कंपनियां भी तैनात रहेंगी। भीड़भाड़ वाली जगहों पर खास नजर रखी जाएगी।

जांच अभियान के दौरान यात्रियों को नशाखुरानी गिरोह से सावधान रहने की सलाह दी गई। आरपीएफ और रेल पुलिस ने यात्रियों, कुलियों और वाहन चालकों से कहा कि वे अनजान लोगों से खाने-पीने की चीजें न लें। यात्रियों से अपने सामान की खुद निगरानी करने और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की जानकारी तत्काल रेल पुलिस अथवा आरपीएफ को देने की अपील की गई।

पटना जंक्शन पर गूंज रहे छठ के गीत

एजेंसी, पटना

चार दिवसीय छठ पर्व शुरू होते ही बिहार में छठी मइया के गीत गूंजने लगे हैं। घरों और घाटों के साथ रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और एयरपोर्ट पर भी गीत सुनाई दे रहे हैं। शहरों और गांवों की गलियों में सुबह से शाम तक पारंपरिक छठ गीत बज रहे हैं। महिलाएं घरों में गीत गाकर भगवान भास्कर की पूजा की तैयारी कर रही हैं। दूसरे राज्यों और महानगरों से घर लौट रहे लोगों को ये गीत अपनी मिट्टी, संस्कृति और परिवार की याद दिला रहे हैं। बिहार से लंबे समय से बाहर रह रहे लोगों को घर से जुड़ाव का एहसास करा रहे हैं। रेलवे स्टेशनों पर 'केलवा के पात पर उगेलन सूरजमल' और 'पहिले पहिल छठी मइया' जैसे गीत सुनाई दे रहे हैं। इन्हें सुनकर परदेस में रहने वाले बिहारियों को अपने गांव और घर की याद आ रही है। छठ पर्व के दौरान हिंदू-मुस्लिम एकता और लोक आस्था की मिसाल भी दिख रही है।

छठ गीतों में रची-बसी है बिहार की संस्कृतिः महापर्व केवल पूजा-पाठ का पर्व नहीं, बल्कि बिहार की लोक संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक भी है। छठ के



पारंपरिक गीतों में प्रकृति, सूर्य उपासना, परिवार, संतान की मंगलकामना और लोकजीवन की भावनाएं समाहित हैं। इन गीतों की खासियत यह है कि इनकी धुन और शब्द सीधे लोगों के दिलों तक पहुंचते हैं। यही वजह है कि आधुनिक संगीत के दौर में भी पारंपरिक छठ गीतों की लोकप्रियता बरकरार है। गांव की चौपाल से लेकर शहरों की कॉलोनियों तक इन गीतों की अपनी अलग पहचान है।

छठ महापर्व बिहार की सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे का भी प्रतीक है। इस पर्व में मुस्लिम समुदाय के लोग भी बढ़-चढ़कर सहयोग और सहभागिता निभाते हैं। कई स्थानों पर मुस्लिम परिवार छठ व्रतियों के लिए रास्तों

- 'केलवा के पात पर उगेलन सूरजमल' से माहौल भक्तिमय, महापर्व पर हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल दिखी

और घाटों की व्यवस्था में सहयोग करते हैं। कहीं घाटों की साफ-सफाई में हाथ बंटाते हैं, तो कहीं पर्व की तैयारियों में अपनी भागीदारी निभाते हैं। यही बिहार की गंगा-जमुनी तहजीब की खूबसूरती है, जहां आस्था के इस महापर्व में धर्म की सीमाओं से ऊपर उठकर लोग एक-दूसरे की खुशियों में शामिल होते हैं। छठ का संदेश भी प्रकृति के प्रति सम्मान, स्वच्छता, अनुशासन और सामूहिक सहभागिता से जुड़ा हुआ है।

गीतों से शुद्ध और सकारात्मक हुआ वातावरणः छठ गीतों की गूंज के बीच बिहार का हर कोना मानो एक ही संदेश दे रहा है,यह पर्व केवल सूर्य की उपासना नहीं, बल्कि परिवार, प्रकृति, लोक परंपरा और सामाजिक एकता का महापर्व है। यही कारण है कि बिहार से दूर रहने वाले लोग भी छठ के अवसर पर अपनी प्रदेशों की ओर लौटने को आतुर रहते हैं। छठी मइया के गीतों में उन्हें अपना गांव, अपना परिवार और अपनी मिट्टी नजर आती है।

संक्षिप्त समाचार

डीएम-एसपी ने किया छठ घाटों का निरीक्षण सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने के दिए निर्देश



बीएनएम @ मोतिहारी। छठ महापर्व को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने को लेकर जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने शुक्रवार को जिला के रक्सौल अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने पर्व की तैयारियों एवं विधि-व्यवस्था का जायजा लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों ने नेपाल से आने वाली सिरिसिया नदी के तट पर स्थित भकुआ ब्रह्मस्थान एवं कस्टम चौक के छठ घाटों का जायजा लिया। इसके साथ ही भारत-नेपाल सीमा पर स्थित मैत्री पुल का भी निरीक्षण किया। इस दौरान घाटों पर साफ-सफाई, स्वच्छता, सुरक्षा एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को सभी छठ घाटों पर आवश्यक सुविधाएं समय से सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं, श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी चिह्नित घाटों पर पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षित गोताखोरों की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने को कहा। अधिकारियों ने पर्व के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सतर्कता एवं समुचित इंतजाम बनाए रखने पर भी जोर दिया। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं थानाध्यक्ष सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

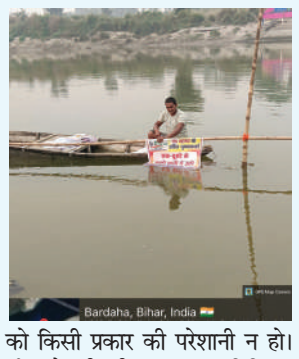
ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का डीएम ने किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा



बीएनएम @ मोतिहारी। जिलाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने शुक्रवार को समाहरणालय परिसर स्थित ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का नियमित निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था सहित सभी आवश्यक सुरक्षात्मक इंतजामों का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के जिलाध्यक्षों, सचिवों एवं जिला प्रतिनिधियों की मौजूदगी रही। डीएम ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी प्रणाली तथा अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। साथ ही निर्वाचन से जुड़ी महत्वपूर्ण सामग्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किए गए इंतजामों की जानकारी ली। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किए गए इस निरीक्षण का उद्देश्य निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखने के साथ ईवीएम और वीवीपैट की सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित करना था। जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की। इस दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी आशुतोष कुमार राय भी उपस्थित थे। वहीं, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भी निरीक्षण की प्रक्रिया में भाग लिया।

छठ घाटों की तैयारियों का एसडीओ ने लिया जायजा

बीएनएम @ मोतिहारी। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में अनुमंडल पदाधिकारी, पकड़ीदयाल मंगला पाण्डेय ने विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने घाटों की साफ-सफाई के साथ-साथ घाटों तक पहुंचने वाले रास्तों एवं आसपास के क्षेत्रों की स्वच्छता का भी जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त रखने का निर्देश दिया। इसके अलावा, गहरे पानी वाले खतरनाक स्थानों को चिह्नित कर वहां बांस की बैरिकेडिंग कराने तथा खतरे के संकेत के रूप में लाल झंडे लगाने का निर्देश दिया गया, ताकि व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। एसडीओ ने सभी छठ घाटों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही व्रतियों के लिए कपड़े बदलने हेतु अस्थायी चेंजिंग रूम बनाने का भी निर्देश दिया। वहीं, किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए घाटों पर गोताखोरों एवं सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। प्रशासन द्वारा छठ पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।



आगामी 22 नवंबर को होगा 'पैगाम-ए-आजाद' कॉन्फ्रेंस, देशभर की नामचीन हस्तियां करेंगी शिरकत

बीएनएम @ मोतिहारी

» मुल्क की आजादी में उलमा-ए-कराम की कुर्बानियों और नई पीढ़ी तक उनके योगदान को पहुंचाने की होगी पहल, एमएलसी डॉ. खालिद अनवर ने कहा- एकजुटता और मिल्ली बेदारी वक्त की अहम जरूरत

शहर के जिला स्कूल मैदान में आगामी 22 नवंबर, रविवार को ऐतिहासिक 'पैगाम-ए-आजाद' कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन को ऐतिहासिक और यादगार बनाने के लिए पिछले दो महीनों से व्यापक स्तर पर तैयारियां चल रही हैं। कॉन्फ्रेंस में देश के विभिन्न राज्यों से शैक्षणिक, सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक क्षेत्र की जानी-मानी हस्तियां शिरकत करेंगी। इस संबंध में रविवार को स्थानीय उर्दू लाइब्रेरी में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए स्वागत समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 'पैगाम-ए-आजाद' कॉन्फ्रेंस मुल्क और मिल्लत के मौजूदा हालात, सामाजिक चुनौतियों तथा मिल्ली बेदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस ऐतिहासिक आयोजन में देश-विदेश और बिहार की कई प्रतिनिधि हस्तियां शामिल होंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी करेंगे। वहीं, प्रमुख वक्ताओं और अतिथियों में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सचिव एवं अल-हिदाया फाउंडेशन, जयपुर के संस्थापक मौलाना मोहम्मद फजलुर्रहमान मुजद्दिदी, प्रसिद्ध शिक्षाविद् एवं अंजुमन-ए-इस्लाम, मुंबई के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. जहीर काजी, ऑल इंडिया मिल्ली काउंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं इमारत-ए-शरिया के पूर्व अमीर मौलाना अनीसुर्रहमान कासमी, मौलाना आजाद सेंटर, कोलकाता के अध्यक्ष मौलाना अबू तालिब रहमानी, जमीयत उलेमा-ए-हिंद बिहार के महासचिव मौलाना अब्बास कासमी, प्रो. डॉ. अफजल मिस्बाही, जमीयत उलेमा-ए-हिंद बिहार के सचिव डॉ. फैज कादरी, मरकजी जमीयत अहले हदीस हिंद के सचिव मौलाना डॉ. शीश तैमी तथा प्रसिद्ध शिक्षाविद् एवं खान जीएस रिसर्च सेंटर के संचालक खान सर सहित कई प्रमुख शख्सियतें शामिल होंगी। इनके अलावा भी कई अहम राष्ट्रीय और मिल्ली हस्तियों के कार्यक्रम में पहुंचने की संभावना है।



नई पीढ़ी को बतानी होगी आजादी के आंदोलन में उलमा की कुर्बानियां : डॉ. खालिद अनवर-मौके पर बिहार विधान परिषद के सदस्य (एमएलसी) डॉ. खालिद अनवर ने कहा कि देश की आजादी और उसके निर्माण में उलमा-ए-कराम का योगदान बेहद महत्वपूर्ण और अविस्मरणीय रहा है। भारत रत्न मौलाना अबुल कलाम आजाद, मौलाना फज्ले हक खैराबादी, मौलाना महमूदुल हसन देवबंदी, मौलाना हुसैन अहमद मदनी, मौलाना हसरत मोहानी, मौलाना हिफजुर्रहमान सिवहारवी और उलमा-ए-सादिकपुर जैसी महान हस्तियों की कुर्बानियों और संघर्षों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना आज की सबसे बड़ी जरूरतों में से एक है। उन्होंने कहा कि देश में अल्पसंख्यकों, दलितों और गरीबों के सामने बढ़ती चुनौतियों तथा अत्याचारों का मुकाबला करने के लिए आपसी एकजुटता और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करना जरूरी है। महात्मा गांधी ने अंग्रेजी हुकूमत के अत्याचारों के खिलाफ इसी चंपारण की धरती से सत्याग्रह का आगाज किया था। ऐसे में चंपारण की ऐतिहासिक भूमि से आयोजित होने वाला यह सम्मेलन एक महत्वपूर्ण संदेश देगा। डॉ. अनवर ने कहा कि आगामी 22 नवंबर, रविवार को आयोजित इस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास किया जाएगा कि देश और राज्य में किसी भी प्रकार की असमानता, भेदभाव और जुल्म को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 'पैगाम-ए-आजाद' कॉन्फ्रेंस महज एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से मुस्लिम समाज के लिए एक नई व्यवस्था और प्रभावी तंत्र विकसित करने की दिशा में पहल की जाएगी। इस अवसर पर एमएलसी डॉ. खालिद अनवर और स्वागत समिति के अध्यक्ष डॉ. तबरेज अजीज ने मीडिया के माध्यम से जिले एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों से कॉन्फ्रेंस में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि आम लोगों की व्यापक भागीदारी से ही इस आयोजन को सफल और यादगार बनाया जा सकेगा। इस अवसर पर मुफ्ती हबीबुल्लाह कासमी, मौलाना जावेद कासमी (जिला महासचिव, जमीयत उलेमा-ए-हिंद, पूर्वी चंपारण), मौलाना मकसूद आलम, मौलाना अमानुल्लाह मजाहिरी, डॉ. अब्दुल खबीर, डॉ. मोबीन हाशमी, मो. असदुल्लाह, मुफ्ती जियाउल हक कासमी, मौलाना जावेद कासमी, मौलाना अनीसुर्रहमान चिश्ती, डॉ. नूर हसन आजाद, कैप्टन अब्दुल हमीद, डॉ. परवेज अजीज, शकील अंसारी, डॉ. अकील अहमद, डॉ. खुर्शीद अजीज, नजीउल्लाह खां, पूर्व मुखिया हैदर अली और मो. जियाउल हक सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

श्रमिकों की शिकायत पर श्रम विभाग की त्वरित कार्रवाई, तीन दिनों की मजदूरी देकर घर भेजे गए श्रमिक

बीएनएम @ मोतिहारी



जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव के माध्यम से मिली शिकायत पर श्रम विभाग की संयुक्त टीम ने सुगौली स्थित ईंट-भट्ठे की जांच की। जांच के दौरान श्रमिकों ने बुनियादी सुविधाओं के अभाव में घर लौटने की इच्छा जताई। इसके बाद श्रम विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी श्रमिकों को तीन दिनों की मजदूरी का भुगतान कराने के साथ घर वापसी के लिए किराया और वाहन की व्यवस्था कराई। मामला सुगौली थाना क्षेत्र के निमोनिया गांव स्थित ईंट मार्का आईएनडी ईंट-भट्ठे का है। भट्ठा मालिक प्रमोद कुमार और ठेकेदार नासिर के संबंध में मिली शिकायत पर संयुक्त जांच टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान श्रमिकों ने बताया कि वे अपनी इच्छा से उत्तर प्रदेश से काम करने आए थे। उन्हें न तो किसी प्रकार का दबाव देकर बुलाया गया था और न ही उनके साथ शोषण किया गया था। हालांकि, शौचालय, स्वच्छ आवास और चिकित्सा सुविधा जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव तथा विद्यालय की दूरी के कारण वे वापस अपने घर जाना चाहते थे। श्रमिकों ने बताया कि वे तीन दिन पहले ही यहां पहुंचे थे और इस दौरान कोई काम भी नहीं किया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए श्रम अधीक्षक सत्य प्रकाश ने सभी श्रमिकों को बिहार सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी की दर से तीन दिनों का भुगतान कराया। साथ ही घर लौटने के लिए आवागमन खर्च उपलब्ध कराने के अलावा सुरक्षित वापसी के लिए वाहन की व्यवस्था भी की गई। जांच एवं कार्रवाई टीम में श्रम अधीक्षक सत्य प्रकाश के अलावा श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी दिवाकर प्रसाद (सुगौली), संगीता कुमारी (तुरकौलिया) और हरिओम कुमार (रक्सौल) शामिल थे। श्रम विभाग ने कहा कि श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा और उन्हें बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है।

एसएसबी ने निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाकर ग्रामीणों को किया जागरूक

बीएनएम @ मोतिहारी

सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं स्वास्थ्य तथा स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सशस्त्र सीमा बल की 71वीं वाहिनी, मोतिहारी द्वारा निःशुल्क मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन शुक्रवार को किया गया। कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार के कुशल निर्देशन में समवाय महुआवा के कार्यक्षेत्र अंतर्गत जीवंत गांव कार्यक्रम (VVP-II) के तहत ग्राम परसा में आयोजित इस शिविर में वाहिनी के चिकित्साधिकारी डॉ. सुजीत कुमार (जीडीएमओ) ने ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच की तथा उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया। इस दौरान जरूरतमंद ग्रामीणों के बीच आवश्यक दवाओं का निःशुल्क वितरण भी किया गया। शिविर के दौरान ग्रामीणों को व्यक्तिगत स्वच्छता एवं अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखने के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही, जलजमाव से बचाव तथा डेंगू और मलेरिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के उपायों के प्रति जागरूक किया गया। चिकित्साधिकारी ने संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए दैनिक भोजन में श्री अन्न (मोटे अनाज) को शामिल करने की सलाह दी तथा इसके विभिन्न स्वास्थ्य लाभों से भी अवगत कराया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने एसएसबी द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में संचालित जनकल्याणकारी गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि बल द्वारा समय-समय पर चिकित्सा शिविरों, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों एवं अन्य सामाजिक गतिविधियों का आयोजन कर ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। इससे सीमावर्ती गांवों के लोगों को काफी लाभ मिल रहा है तथा स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं बीमारियों से बचाव के प्रति उनकी जागरूकता में वृद्धि हो रही है। एसएसबी की इस पहल का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के साथ-साथ ग्रामीणों को स्वस्थ, स्वच्छ एवं रोगमुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।



छठ पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम, 1029 जगहों पर मजिस्ट्रेट और पुलिस तैनात

बीएनएम @ मोतिहारी

» निजी नावों के परिचालन और घाटों के आसपास पटाखों की बिक्री पर रोक

लोक आस्था के महापर्व छठ को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। जिले के 1029 स्थलों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। महत्वपूर्ण छठ घाटों पर सादे लिबास में पुलिसकर्मी निगरानी करेंगे। वहीं, चिह्नित घाटों पर एसडीआरएफ की टीम और आपदा मित्रों की तैनाती की जाएगी। इसको लेकर जिला दंडाधिकारी सह जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव और पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने संयुक्त आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार, इस वर्ष छठ महापर्व की शुरुआत 13 नवंबर को नहाय-खाय के साथ होगी। 14 नवंबर को खरना, 15 नवंबर को संध्या अर्घ्य और 16 नवंबर को सुबह का अर्घ्य दिया जाएगा। पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी थानों को अलर्ट मोड में रहने और लगातार गश्ती करने का निर्देश दिया गया है। जिले के छह अनुमंडलों में सुरक्षा व्यवस्था के लिए दंडाधिकारी और पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। इनमें मोतिहारी अनुमंडल में 296, पकड़ीदयाल में 114, अरेराज में 235, चकिया में 117, सिकरहना में 218 और रक्सौल में 49 स्थलों पर प्रतिनियुक्ति की गई है। जरूरत पड़ने पर संबंधित थानाध्यक्ष अपने स्तर से भी पुलिस बल की तैनाती कर सकेंगे। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव और एसपी स्वर्ण प्रभात ने अधिकारियों को प्रमुख छठ घाटों, हाट-बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। असामाजिक और सांप्रदायिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने तथा शांति भंग करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने को कहा गया है। सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर विधि-व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था पर नजर रखेंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा और आपात स्थिति में त्वरित सहायता के लिए जिला मुख्यालय में 24 घंटे संचालित नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। यहां तीन पालियों में पदाधिकारियों और कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। जिला नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नंबर 06252-242418 जारी किया गया है। इसके अलावा विभिन्न अनुमंडलों में 22 स्थानों पर अतिरिक्त नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जा रहे हैं। इनमें मोतिहारी में 10, सिकरहना में तीन, चकिया में दो, पकड़ीदयाल में दो, अरेराज में दो और रक्सौल में तीन नियंत्रण कक्ष शामिल हैं। छठ घाटों पर किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य एवं आपदा प्रबंधन की विशेष व्यवस्था की गई है। सिविल सर्जन को जिला नियंत्रण कक्ष और सभी प्रमुख घाटों पर एंबुलेंस, आवश्यक दवाओं और मेडिकल टीम की तैनाती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। अग्निशमन पदाधिकारी को सभी आवश्यक सुविधाओं से लैस अग्निशमन वाहन जिला नियंत्रण कक्ष में तैनात रखने को कहा गया है। नदी और खतरनाक तालाबों वाले घाटों पर मोटरबोट, नाविक, महाजाल, रस्सी और गोताखोरों की व्यवस्था करने का निर्देश अंचलाधिकारियों को दिया गया है। इसके साथ ही लाइफ जैकेट की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाएगी। चिह्नित घाटों पर एसडीआरएफ टीम और आपदा मित्र तैनात रहेंगे। छठ घाटों और पूजा स्थलों के आसपास पटाखों की बिक्री तथा आतिशबाजी पर प्रतिबंध लगाया गया है। घाटों पर पटाखे नहीं छोड़ने के लिए ध्वनि विस्तारक यंत्रों से लगातार अपील की जाएगी। वहीं, निजी नावों के परिचालन पर भी रोक लगाई गई है। महत्वपूर्ण घाटों पर जरूरत के अनुसार वॉच टावर और सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। वीडियोग्राफर की भी प्रतिनियुक्ति की जाएगी। शहरी क्षेत्रों में श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने और घाटों की निगरानी के लिए सेक्टर का गठन कर सेक्टर पदाधिकारियों की तैनाती की गई है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) का भी गठन किया गया है। वहीं, जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव और एसपी स्वर्ण प्रभात ने अफवाहों के कारण भीड़ अनियंत्रित होने की आशंका को देखते हुए अधिकारियों को पहले से तैयारी रखने का निर्देश दिया है। घाटों पर पर्याप्त रोशनी, सुरक्षित आवागमन के लिए वैकल्पिक रास्ते और ध्वनि विस्तारक यंत्रों से जरूरी सूचनाओं का प्रसारण सुनिश्चित करने को कहा गया है। असामाजिक और सांप्रदायिक तत्वों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया गया है। इसके अलावा विद्युत विभाग के अधिकारियों को पूजा समितियों की ओर से की गई बिजली व्यवस्था की जांच कर सुरक्षा मानकों के अनुरूप दुरुस्त कराने को कहा गया है। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने जिलेवासियों से छठ महापर्व को आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाने की अपील की है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को छठ पर्व की शुभकामनाएं भी दी हैं।



आग लगने पर संकटमोचक बने एसएसबी जवान, घर के अन्य हिस्सों को जलने से बचाया

बीएनएम @ मोतिहारी

इनरवा गांव में शुक्रवार की अहले सुबह एक घर में शॉर्ट सर्किट से अचानक आग लग गई। सूचना मिलते ही सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवान मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों, अग्निशमन दल तथा पुलिस के सहयोग से त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया। जवानों की तत्परता से आग को आसपास के घरों तक फैलने से रोक लिया गया। इससे बड़ा हादसा टल गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, जबकि घर के एक कमरे में रखा घरेलू सामान जलकर नष्ट हो गया। जानकारी के अनुसार, 13 नवंबर 2026, शुक्रवार की सुबह करीब 3:15 बजे 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, मोतिहारी के समवाय बेलदरवामठ के कार्यक्षेत्र अंतर्गत इनरवा गांव के वार्ड संख्या दो निवासी सुरेन्द्र राम के मकान में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार के दिशा-निर्देश पर समवाय बेलदरवामठ के एसएसबी जवान अग्निशमन उपकरणों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव एवं राहत कार्य शुरू कर दिया। जवानों ने स्थानीय ग्रामीणों, बिहार अग्निशमन दल और बिहार पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर आग बुझाने का प्रयास किया। सबसे पहले विद्युत आपूर्ति बंद कराई गई। इसके बाद सभी के संयुक्त प्रयास से आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। जवानों की सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई के कारण आग मकान के अन्य हिस्सों और आसपास के घरों तक नहीं पहुंच सकी। इससे संभावित बड़े जान-माल के नुकसान को टाल दिया गया। घटना के बाद ग्रामीणों ने एसएसबी जवानों की तत्परता, साहस और मानवीय संवेदनशीलता की सराहना की। ग्रामीणों का कहना था कि संकट की घड़ी में जवानों ने जिस तत्परता से मदद पहुंचाई, वह सराहनीय है। इस संबंध में 71वीं वाहिनी एसएसबी, मोतिहारी के कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार ने जवानों के कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि सशस्त्र सीमा बल सीमा सुरक्षा के साथ-साथ सीमावर्ती क्षेत्र के नागरिकों की सुरक्षा, सहायता और कल्याण के लिए भी सदैव तत्पर है। आपातकालीन परिस्थितियों में स्थानीय प्रशासन और आम नागरिकों के साथ समन्वय स्थापित कर हरसंभव सहायता करना बल की कार्यशैली का अभिन्न हिस्सा है।



पीएम-अजय योजना के तहत 40 गांवों के समग्र विकास की तैयारी, डीएम ने की योजनाओं की समीक्षा

बीएनएम @ मोतिहारी





पूर्वी चंपारण जिले के 16 प्रखंडों के 40 चयनित गांवों के समग्र विकास को लेकर शुक्रवार को समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद भवन सभागार में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी सौरभ सुमन यादव की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम-अजय) के आदर्श ग्राम योजना घटक के तहत ग्राम सभा से अनुमोदित विकास योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में जिला कल्याण पदाधिकारी संतोष कुमार पाण्डेय ने बताया कि योजना के तहत जिले के 16 प्रखंडों के 40 गांवों का चयन किया गया है। वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर वैसे गांवों को इसमें शामिल किया गया है, जहां अनुसूचित जाति की आबादी 500 या इससे अधिक है अथवा कुल आबादी में उनकी हिस्सेदारी 40 प्रतिशत या उससे अधिक है। योजना का उद्देश्य चयनित गांवों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार कर सामाजिक एवं आर्थिक विकास सुनिश्चित करना है। इसके तहत पेयजल एवं स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण, सामाजिक सुरक्षा, ग्रामीण सड़क एवं आवास, बिजली एवं स्वच्छ ईंधन, कृषि, वित्तीय समावेशन, डिजिटलीकरण तथा आजीविका एवं कौशल विकास सहित 10 प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया है। इन क्षेत्रों की प्रगति मापने के लिए 50 निगरानी योग्य मानक निर्धारित किए गए हैं। सभी 40 गांवों में ग्राम पंचायत के मुखिया की अध्यक्षता में गठित ग्राम स्तरीय समिति के माध्यम से ग्राम सभा आयोजित कर विकास योजनाएं तैयार एवं अनुमोदित की गई हैं। इन योजनाओं को संबंधित बीडीओ के माध्यम से जिला स्तर पर भेजा गया है। समीक्षा के दौरान डीएम ने प्रस्तावित योजनाओं की आवश्यकता, उपयोगिता, लागत और प्राथमिकता का बारीकी से आकलन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजनाओं के चयन में वास्तविक जरूरत और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। बैठक में अनुपस्थित पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश भी दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

सूखा नशा के खिलाफ छापेमारी, 110 ग्राम गांजा जैसे पदार्थ के साथ महिला समेत दो गिरफ्तार

बीएनएम @ हरसिद्धि। सूखा नशा के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत हरसिद्धि पुलिस ने पानापुर रंजिता गांव में छापेमारी कर 110 ग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ बरामद किया है। इस दौरान एक महिला समेत दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि पुलिस को पानापुर रंजिता गांव में मादक पदार्थ की खरीद-बिक्री की सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने छापेमारी की। इस दौरान 110 ग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ बरामद करते हुए सुखराम सिंह, पिता विश्वनाथ सिंह, निवासी पानापुर रंजिता सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार महिला का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके विरुद्ध हरसिद्धि थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत कांड संख्या 732/25 दर्ज है। थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों आरोपितों के विरुद्ध अग्रेतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा का नहाय-खाय के साथ शुभारंभ, आज होगी खरना पूजा

छठ व्रतियों ने विभिन्न सरोवरों में किया स्नान, सात्विक भोजन ग्रहण कर लिया व्रत का संकल्प

बीएनएम @ सुगौली। प्रखंड क्षेत्र में लोक आस्था, पवित्रता और सूर्योपासना के महापर्व छठ पूजा का शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ विधिवत शुभारंभ हो गया। इस अवसर पर प्रखंड एवं नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न सरोवरों में छठ व्रतियों ने स्नान कर शुद्धता के साथ पूजा-अर्चना की और पारंपरिक सात्विक भोजन ग्रहण किया। चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व के पहले दिन नहाय-खाय के साथ छठ व्रती तन और मन की शुद्धता का संकल्प लेते हैं। इस दिन स्नान के बाद अरवा चावल, चने की दाल और लौकी की सब्जी सहित सात्विक भोजन तैयार कर ग्रहण किया जाता है। इसके साथ ही छठ व्रत की शुरुआत होती है। महापर्व के दूसरे दिन शनिवार को खरना पूजा संपन्न होगी। इस दिन छठ व्रती पूरे दिन निर्जला उपवास रखकर संध्याकाल में विधि-विधान से खरना की पूजा करेंगे। इस दौरान छठी मइया की आराधना कर दीप प्रज्वलित किया जाएगा तथा मौसमी फल-फूल और अन्य पूजन सामग्रियों से पूजा-अर्चना की जाएगी। इसके बाद गुड़ और चावल से तैयार पारंपरिक खीर, जिसे स्थानीय भाषा में 'रसिआव' कहा जाता है, का भोग लगाया जाएगा। पूजा संपन्न होने के बाद व्रती प्रसाद ग्रहण करेंगे और परिवार के अन्य सदस्यों के बीच भी प्रसाद वितरित किया जाएगा। लोकमान्यता के अनुसार छठ महापर्व माताएं अपने संतान, विशेषकर पुत्र तथा पूरे परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य और कुशल-क्षेम की कामना के लिए करती हैं। चार दिनों तक चलने वाला यह कठिन व्रत श्रद्धा, संयम, पवित्रता और प्रकृति के प्रति आस्था का अनुपम प्रतीक है।

पराली जलाने पर तीन साल तक सरकारी योजनाओं से वंचित हो सकते हैं किसान

बीएनएम @ बेतिया। धान की कटाई के साथ ही पश्चिम चंपारण जिले में पराली जलाने की आशंका को लेकर जिला प्रशासन और कृषि विभाग सतर्क हो गया है। किसानों को खेतों में फसल अवशेष जलाने से सख्त मना किया जा रहा है। विभाग ने चेतावनी दी है कि पराली जलाते पकड़े जाने पर किसानों को तीन वर्षों तक ब्लैकलिस्ट किया जा सकता है। उनका किसान पंजीयन रद्द होने के साथ विभिन्न सरकारी कृषि अनुदान योजनाओं के लाभ से भी वंचित होना पड़ सकता है। पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सैटेलाइट से निगरानी की जा रही है। वहीं, किसान पाठशाला, किसान गोष्ठी, चौपाल और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से फसल अवशेषों के वैज्ञानिक प्रबंधन के तरीके बताए जा रहे हैं। कृषि विभाग के अनुसार, पराली जलाने से मिट्टी की गुणवत्ता और उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है तथा वायु प्रदूषण बढ़ता है। इससे मानव स्वास्थ्य, पशु-पक्षियों और पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है। पराली प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए कृषि यंत्रों की खरीद पर 75 से 80 प्रतिशत तक अनुदान देने का प्रावधान है। पश्चिम चंपारण में करीब 1.49 लाख हेक्टेयर भूमि पर गन्ने की खेती होती है, जबकि खरीफ 2026 में लगभग 1.31 लाख हेक्टेयर में धान की खेती की गई है। जिला कृषि पदाधिकारी ने किसानों से पराली नहीं जलाने और फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करने की अपील की है।

गंडक पुल 45 दिनों तक बंद, 50 किमी का चक्कर लगाएंगे लोग

बीएनएम @ बेतिया। नौतन प्रखंड के मंगलपुर से गोपालगंज जाने वाली मुख्य सड़क पर गंडक नदी स्थित पुल की मरम्मत का काम बुधवार से शुरू हो गया है। पुल के एक्सपेंशन ज्वाइंट और बेयरिंग में दरार आने के कारण एस कॉम कंस्ट्रक्शन कंपनी, उत्तर प्रदेश की ओर से मरम्मत कराई जा रही है। कंपनी ने कार्य पूरा करने के लिए गोपालगंज जिला प्रशासन से 24 दिसंबर तक का समय मांगा है। इस दौरान पुल पर आवागमन पूरी तरह बंद रहेगा। गुरुवार को बैरिकेडिंग के कारण सैकड़ों चारपहिया और दोपहिया वाहनों को वापस लौटना पड़ा। कई लोग वाहन से पुल तक पहुंचे और वहां से पैदल पुल पार कर गोपालगंज जाने के लिए ऑटो पकड़ना पड़ा। पुल निर्माण कंपनी के जेई पिंकु शौरव ने बताया कि मरम्मत कार्य के लिए 45 दिनों का समय मांगा गया है और निर्धारित अवधि में काम पूरा कर आवागमन बहाल कर दिया जाएगा। पुल बंद होने से मंगलपुर के किसानों को गोपालगंज स्थित हरखुआ चीनी मिल में गन्ना पहुंचाने में परेशानी होगी। वहीं, नौतन और बेतिया से सब्जियां बेचने गोपालगंज जाने वाले किसानों एवं व्यापारियों को भी नुकसान उठाना पड़ सकता है। शादी-विवाह में बारात ले जाने और लाने वाले लोगों को अरेराज होते हुए डुमरिया पुल से करीब 50 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ेगी, जिससे समय और ईंधन का खर्च बढ़ेगा। स्थानीय किसानों ने कहा कि 45 दिनों तक आवागमन बाधित रहने से खेती और व्यापार प्रभावित होगा। ग्रामीणों ने नदी में वैकल्पिक व्यवस्था के तहत नाव परिचालन शुरू कराने की मांग की है, ताकि लोगों को आने-जाने में सुविधा मिल सके।

126 लीटर नेपाली कस्तूरी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ छौड़ादानो



शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत छौड़ादानो पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर रघुनाथपुर सैनिक रोड के समीप छापेमारी कर 126 लीटर नेपाली कस्तूरी शराब बरामद की है। इस दौरान मौके से एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान महुअवा थाना क्षेत्र के धर्मनगर भगड़ी गांव निवासी स्वर्गीय बिंदा मांझी के पुत्र हीरालाल मांझी के रूप में हुई है। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजीव कुमार ने बताया कि पुलिस को क्षेत्र में शराब की तस्करी किए जाने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रघुनाथपुर सैनिक रोड के समीप छापेमारी की। इस दौरान हीरालाल मांझी के पास से नेपाली कस्तूरी शराब की 420 बोतलें बरामद की गईं, जिनकी कुल मात्रा 126 लीटर बताई गई है। पुलिस ने बरामद शराब को जब्त कर आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शराब के अवैध कारोबार एवं तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इस तरह की गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

5 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार



बीएनएम @ रामगढ़वा

थाना क्षेत्र से पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 5 किलोग्राम गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर रामगढ़वा थाना क्षेत्र के सिसवानिया गांव के पास की गई। गिरफ्तार तस्करों की पहचान रामगढ़वा थाना क्षेत्र के सिसवानिया निवासी हीरा बैठा के पुत्र राजकिशोर बैठा और रक्सौल थाना क्षेत्र के चिकनी निवासी अच्छेलाल महतो के पुत्र राम कुमार के रूप में की गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए रामगढ़वा थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर संजीव मौआर ने बताया कि पुलिस को गांजा तस्करी की गुप्त सूचना मिली थी, जिसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए यह सफलता हासिल की गई है। पुलिस इस मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ कर रही है। साथ ही, इस अवैध कारोबार में संलिप्त अन्य लोगों की भी पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

सलीम परवेज के बयान पर विवाद के बीच क़ारी नईमुद्दीन ने की भाईचारे और एकता की अपील

बीएनएम @ घोड़ासहन



बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड, पटना के अध्यक्ष जनाब सलीम परवेज के एक कथित बयान को लेकर इन दिनों बिहार में चर्चा और विवाद का माहौल बना हुआ है। इस मामले पर भारतीय मानवाधिकार परिषद, पूर्वी चंपारण के जिला अध्यक्ष क़ारी मोहम्मद नईमुद्दीन ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए समाज के लोगों से संयम, आपसी सौहार्द और भाईचारा बनाए रखने की अपील की है। क़ारी मोहम्मद नईमुद्दीन ने कहा कि बताया जा रहा है कि जनाब सलीम परवेज ने अपने बयान में कहा था, "अगर गलती ही करनी है तो दाढ़ी क्यों रखी है, हमारे जैसे हो जाओ।" संभव है कि उनके कहने का अंदाज उचित नहीं रहा हो या उनके शब्दों से किसी की भावनाएं आहत हुई हों। लेकिन किसी एक बयान को लेकर इतना बड़ा विवाद खड़ा करना कहां तक उचित है, इस पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सलीम परवेज भी हमारे समाज का ही हिस्सा हैं और गलती किसी से भी हो सकती है। यदि किसी के बयान से असहमति है तो लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखी जा सकती है। अपनी नाराजगी जाहिर करना हर किसी का अधिकार है, लेकिन किसी व्यक्ति को लगातार निशाना बनाना और विवाद को बढ़ावा देना उचित नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी की गलती को सही ठहराना नहीं है, बल्कि सभी से अपील करना है कि किसी भी मामले को समझदारी, संयम और आपसी सम्मान के साथ देखें। इस्लाम भी हमें एक-दूसरे की इज्जत करने, गलती होने पर अच्छे तरीके से नसीहत देने और सुधार का अवसर प्रदान करने की शिक्षा देता है। क़ारी मोहम्मद नईमुद्दीन ने समाज के सभी लोगों से अपील की कि इस विवाद को और अधिक तूल देने के बजाय आपसी भाईचारे, एकता, प्रेम और सामाजिक सौहार्द को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि समाज की मजबूती आपसी एकता और एक-दूसरे के सम्मान में ही निहित है।

घोड़ासहन में जितेंद्र साह सांसद प्रतिनिधि नियुक्त



बीएनएम @ घोड़ासहन

शिवहर लोकसभा क्षेत्र की सांसद लवली आनंद ने घोड़ासहन प्रखंड के लिए अपने सांसद प्रतिनिधि की नियुक्ति कर दी है। सांसद ने घोड़ासहन निवासी जितेंद्र साह (उर्फ जीतू) को घोड़ासहन प्रखंड का सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किया है। इस संबंध में सांसद लवली आनंद ने 13 नवंबर 2026 को प्रखंड विकास पदाधिकारी, घोड़ासहन के नाम आधिकारिक पत्र जारी किया है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि सांसद की अनुपस्थिति में जितेंद्र साह संसदीय क्षेत्र से संबंधित सभी बैठकों में हिस्सा लेंगे और आवश्यक कार्यों के संबंध में सांसद के अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। सांसद ने संबंधित अधिकारियों से नवनियुक्त प्रतिनिधि को आवश्यक सहयोग प्रदान करने का अनुरोध भी किया है। इस नियुक्ति पत्र की प्रतिलिपि पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक, ढाका के अनुमंडल पदाधिकारी, घोड़ासहन के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अंचल अधिकारी और थाना प्रभारी को भी भेजी गई है। सांसद प्रतिनिधि की नियुक्ति के बाद अब घोड़ासहन प्रखंड क्षेत्र की विभिन्न विकास योजनाओं, जनसमस्याओं और प्रशासनिक बैठकों में जितेंद्र साह की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है।फिलहाल इस नियुक्ति को लेकर स्थानीय राजनीतिक और सामाजिक गलियारों में चर्चा शुरू हो गई है।

ग्रामीणों के श्रमदान से हो रहा बिनटोली छठ घाट का निर्माण

बीएनएम @ संग्रामपुर



लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर संग्रामपुर प्रखंड क्षेत्र में तैयारियां तेज हो गई हैं। छठ महापर्व को देखते हुए विभिन्न घाटों की साफ-सफाई, मरम्मत और निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। इसी क्रम में बिनटोली छठ घाट को बेहतर और व्यवस्थित बनाने के लिए समाजसेवी सह प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि नितेश कुमार पूरी सक्रियता के साथ जुटे हुए हैं। छठ महापर्व में अब कुछ ही समय शेष रहने के कारण घाटों को समय पर तैयार करने की कवायद तेज हो गई है। इसी को लेकर नितेश कुमार ने बिनटोली छठ घाट का स्थल निरीक्षण कर वहां चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया। खास बात यह है कि वे केवल निरीक्षण और दिशा-निर्देश देने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि स्वयं अपनी देखरेख में घाट निर्माण एवं आवश्यक व्यवस्थाओं को पूरा कराने में जुटे हैं। घाट निर्माण कार्य में ग्रामीणों की भी बढ़-चढ़कर सहभागिता देखने को मिल रही है। ब्रजेश सिंह, नंदकिशोर कुमार, रामबालक मुखिया, नान्हू मुखिया सहित कई ग्रामीणों ने कुदाल उठाकर श्रमदान किया। सभी ने मिलकर घाट की मिट्टी की कटाई, समतलीकरण और अन्य निर्माण कार्यों में अपना योगदान दिया। ग्रामीणों के सामूहिक प्रयास से घाट निर्माण कार्य को तेजी मिल रही है। नितेश कुमार का प्रयास है कि छठ महापर्व से पहले बिनटोली छठ घाट पूरी तरह तैयार हो जाए, ताकि व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसके लिए घाट की साफ-सफाई, समतलीकरण और श्रद्धालुओं के सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। गौरतलब है कि छठ महापर्व बिहार की सांस्कृतिक पहचान और लोक आस्था का प्रमुख पर्व है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु नदी, तालाब और पोखरों के किनारे पहुंचकर अस्ताचलगामी एवं उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। ऐसे में घाटों की स्वच्छता, सुरक्षा और बेहतर व्यवस्था बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। नितेश कुमार की पहल और ग्रामीणों के सामूहिक श्रमदान से बिनटोली छठ घाट की तस्वीर बदलने की उम्मीद जगी है। स्थानीय लोगों का मानना है कि जब सामाजिक कार्यों में जनप्रतिनिधियों के साथ आम ग्रामीण भी आगे आते हैं, तो विकास और जनसुविधा से जुड़े कार्यों को नई गति मिलती है। वहीं, नितेश कुमार ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, स्वच्छता, समर्पण और सामाजिक एकता का प्रतीक है। व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से ग्रामीणों के सहयोग से घाट को समय से तैयार कराने का प्रयास किया जा रहा है।

रक्सौल में वर्ष 2006–2024 तक के निबंधित दस्तावेजों की पीडीएफ अपलोडिंग लगभग पूर्ण

बीएनएम @ रक्सौल

अनुमंडल कार्यालय परिसर स्थित अवर निबंधन कार्यालय में वर्ष 2006 से 2024 तक निबंधित दस्तावेजों की पीडीएफ डाउनलोडिंग एवं विभागीय पोर्टल पर अपलोडिंग का कार्य लगभग पूरा कर लिया गया है। हालांकि, जांच के दौरान पांच निबंधित दस्तावेजों की पीडीएफ पोर्टल पर उपलब्ध नहीं होने का मामला सामने आया है। इसे गंभीरता से लेते हुए मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, बिहार तथा सहायक निबंधन महानिरीक्षक, तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर की ओर से संबंधित कार्यालय को पत्र जारी किया गया है। इसकी जानकारी अवर निबंधन पदाधिकारी आशीष कुमार अग्रवाल ने दी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2006 से 2024 के बीच कार्यालय में निबंधित अधिकांश दस्तावेजों की पीडीएफ विभागीय पोर्टल पर अपलोड कर दी गई है। जांच के दौरान केवल पांच दस्तावेजों की पीडीएफ अपलोड नहीं होने की बात सामने आई है। लंबित दस्तावेजों में टोकन संख्या 889/12, विंदा साह; 4812/12, वीरबहादुर यादव; 4541/12, प्रहलाद प्रसाद एवं राजकुमार; 3958/13, मुनीन्द्र प्रसाद तथा 5394/18, मदन प्रसाद के नाम से निबंधित दस्तावेज शामिल हैं। विभाग की ओर से निर्धारित तीन दिनों की समय-सीमा के भीतर संबंधित दस्तावेजों की पीडीएफ विभागीय पोर्टल पर अपलोड कराने का निर्देश दिया गया है। अवर निबंधन पदाधिकारी ने बताया कि लंबित पांचों दस्तावेजों को पोर्टल पर उपलब्ध कराने की प्रक्रिया चल रही है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि संबंधित क्रेता भविष्य में अपने निबंधित दस्तावेजों की ऑनलाइन प्रति आसानी से प्राप्त कर सकें और उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

छठ घाटों पर बिजली व्यवस्था चाक-चौबंद, 305 घाटों पर विभाग की रहेगी पैनी नजर

बीएनएम @ मोतिहारी

छठ महापर्व को लेकर विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, मोतिहारी ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए प्रमंडल क्षेत्र के सभी छठ घाटों पर सुरक्षित एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। इसी कड़ी में विद्युत विभाग के वरीय पदाधिकारियों ने विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण कर विद्युत व्यवस्था का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विद्युत आपूर्ति प्रमंडल के अंतर्गत छोटे-बड़े कुल 305 छठ घाट हैं। इनमें 22 प्रमुख घाट शामिल हैं। महापर्व से पहले सभी घाटों पर विद्युत व्यवस्था को दुरुस्त कर लिया गया है। विशेष रूप से गायत्री नगर, मरीन ड्राइव और मनरेगा पार्क स्थित छठ घाटों पर विद्युत व्यवस्था की जांच कर आवश्यक सुधार कार्य कराए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए गांधी घाट (तुरकौलिया) स्थित 11 केवी ट्रांसफॉर्मर के चारों ओर बैरिकेडिंग कराई गई है। इसी तरह सिसवा में भी ट्रांसफॉर्मर को सुरक्षित किया गया है। पताही, पकड़ीदयाल, ढाका और चकिया समेत विभिन्न क्षेत्रों में विद्युत अनुरक्षण एवं सुरक्षा से जुड़े कार्य पूरे कर लिए गए हैं। वहीं, पिपराकोठी प्रखंड के सूरजपुर स्थित छठ घाट पर भी आवश्यक सुधार कार्य कराया गया है। विद्युत विभाग ने सभी संबंधित अभियंताओं एवं कर्मियों को छठ महापर्व के दौरान विशेष सतर्कता बरतने और घाटों पर विद्युत व्यवस्था की लगातार निगरानी करने का निर्देश दिया है। किसी भी प्रकार की विद्युत समस्या उत्पन्न होने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए संबंधित पदाधिकारियों को अलर्ट मोड में रखा गया है।

विद्युत विभाग के पदाधिकारियों के संपर्क नंबर- विद्युत कार्यपालक अभियंता, मोतिहारी- 7763815311, सहायक विद्युत अभियंता, मोतिहारी टाउन- 7763815195, सहायक विद्युत अभियंता, मोतिहारी ग्रामीण- 9031683583, कनीय विद्युत अभियंता, मोतिहारी टाउन-1- 7763814806, कनीय विद्युत अभियंता, मोतिहारी टाउन-2- 7763818863, कनीय विद्युत अभियंता, पताही- 7763814820, कनीय विद्युत अभियंता, पकड़ीदयाल- 7763814821, कनीय विद्युत अभियंता, ढाका- 7763814819, कनीय विद्युत अभियंता, पिपराकोठी- 776388865 वहीं, ग्राहक सेवा नंबर : 9264456405 है।

विद्युत पोल और तारों से दूर रहने की अपील- विद्युत विभाग ने श्रद्धालुओं एवं आम उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे छठ घाटों पर विद्युत पोल, ट्रांसफॉर्मर और बिजली के तारों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। किसी भी प्रकार की विद्युत दुर्घटना की आशंका या समस्या की स्थिति में तत्काल संबंधित विभागीय पदाधिकारी को सूचना दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

छठ घाट की सफाई और सजावट कर पूर्व मुखिया डॉ. बेबी आलम ने दिया सामाजिक सौहार्द का संदेश

बीएनएम @ तुरकौलिया



धर्म और आस्था का सम्मान किसी एक धर्म या मजहब की सीमाओं में बंधा नहीं होता। आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे की यही खूबसूरत मिसाल तुरकौलिया पूर्वी पंचायत में देखने को मिली। यहां पूर्व मुखिया डॉ. बेबी आलम ने छठ महापर्व के अवसर पर कालीमाई छठ घाट की साफ-सफाई और रंग-रोगन कराकर सामाजिक एकता एवं सौहार्द का संदेश दिया। उन्होंने घाट की साफ-सफाई कराने के साथ रंग-रोगन कर उसे आकर्षक रूप दिया, ताकि छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को पर्व के दौरान स्वच्छ एवं बेहतर वातावरण मिल सके। छठ महापर्व की तैयारियों के बीच उनकी इस पहल से घाट की सुंदरता बढ़ने के साथ-साथ सामाजिक सद्भाव की भावना भी मजबूत हुई है। डॉ. बेबी आलम ने अपनी इस पहल के माध्यम से संदेश दिया कि दूसरे धर्मों के पर्व-त्योहारों का सम्मान करना और उनमें सहयोग करना ही भारतीय संस्कृति की खूबसूरत पहचान है। छठ जैसे लोक आस्था के महापर्व में सहभागिता से समाज में आपसी विश्वास, प्रेम और गंगा-जमुनी तहजीब को बढ़ावा मिलता है। पूर्व मुखिया की इस पहल की स्थानीय लोगों ने भी सराहना की। लोगों का कहना है कि पर्व-त्योहारों के अवसर पर एक-दूसरे के सहयोग और सहभागिता से ही समाज में भाईचारा एवं सामाजिक एकता कायम रहती है। मौके पर मंटू कुमार, उमेश कुमार, कुअर शर्मा, भानू शर्मा, रवि शर्मा सहित कई अन्य लोग मौजूद थे।

कोई भी परिस्थिति हो, ये काम कभी बंद ना करें..

अपने विचारों का मूल्यांकन करना कभी भी बंद न करें, क्योंकि विचारों का प्रवाह अनवरत और कभी-कभी अत्यधिक भी हो जाता है। हर नया विचार पुराने को चुनौती देता है। यहीं से भ्रम भी पैदा होता है और कभी-कभी अधिक विचार आने से निर्णय भी गलत हो जाते हैं। रावण के साथ यही हुआ। वह बहुत विद्वान था। लिहाजा उसके भीतर विचारों की भरमार थी।सुंदरकांड का दृश्य है। रावण के दरबार में हनुमानजी निर्भीक खड़े थे। दोनों का वार्तालाप शुरू होता है।

कह लंकेस कवन तैं कीसा। केहि कें बल घालेहि बन खीसा।। की धौं श्रवन सुनेहि नहिं मोही। देखउं अति असंक सठ तोही।।

लंकापति रावण ने कहा - रे वानर! तू कौन है? किसके बल पर तूने वन को उजाड़कर नष्ट कर डाला? क्या तूने कभी मेरा नाम और यश नहीं सुना? रे शठ! मैं तुझे अत्यंत निरूशंक देख रहा हूं। मारे निसिचर केहिं अपराधा। कहु सठ तोहि न प्रान कइ बाधा।। तूने किस अपराध से राक्षसों को मारा? बता, क्या तुझे प्राण जाने का भय नहीं है? यहां रावण ने हनुमानजी से पांच प्रश्न पूछे। इन शब्दों में अहंकार भरा हुआ था। रावण ने अपने ही विचारों को शब्दों से जोड़ने के लिए अहंकार का सेतु बनाया, जबकि विश्लेषण के साथ शब्द प्रस्तुत करने थे, क्योंकि सामने हनुमानजी खड़े थे। हनुमानजी की विशेषता यही थी कि वे अपने विचारों का मूल्यांकन करते रहते थे। दरअसल रावण यह मानता ही नहीं था कि वह अहंकारी है। उसके हिसाब से तो जो वह कर रहा होता था, वही सही माना जाए। उसके पास सबकुछ होने के बाद भी वह अव्वल दर्जे का भिखारी था। यहीं से हनुमानजी उसे बुद्धि का दान देना शुरू करते हैं।

अतीत से आकर्षित, वर्तमान से सम्मोहित!

सत्येन्द्र रंजन

राजनीति में 'श्रमिक वर्गÓ की वापसी एक तथ्य है, जिसे फर्जी बहसों से कुछ समय तक ही रोका जा सकता है। समझने की बात है कि सोवियत मोह या चाइना-मैक्सिंग अपने-आप में कोई स्वतंत्र परिघटना नहीं हैं। ये युवाओं की बदलती प्राथमिकता और राजनीति के मूड में आ रहे बदलावों का संकेत भर हैं।

यह चर्चा तो पहले भी रही है, लेकिन पश्चिम के दक्षिणपंथी हलकों को यह परेशान करने की हद तक पहुंच गई है, इसका अंदाजा ब्रिटेन की कंजरवेटिव पत्रिका द स्पेक्टेटर में प्रकाशित एक लेख को पढ़ते हुए हुआ। लेख का शीर्षक है- त्रद्दठ द्बह्य द्धड्डद्यद्यद्बठ्ठद् द्बशह्य् ह्लद्धद्द स्श1द्बद्दह्ल ठ्ठद्बशठ्ठ यानी जेन-जी सोवियत संघ के मोहपाश में फंस रहा है। गौरतलब हैः सोवियत संघ के विघटन को लगभग चार दशक होने को आ रहे हैं। इस दौर में पश्चिम के दक्षिणपंथी और लिबरल बुद्धिजीवी घोषणा करते रहे हैं कि सोवियत संघ जिस वैचारिक युग काप्रतीक था, वह इतिहास के पन्नों में दफनहो चुका है। अक्सर, इस सिलसिले में लिबरल राजनीति-शास्त्री फ्रांसिस फुकुयामा की "इतिहास का अंत" होने की उद्घोषणा को याद किया जाता है, जिसके जरिए उन्होंने दावा किया था कि लिबरल-पूंजीवादी लोकतंत्र की अंतिम विजय हो गई है और अब यही मानवता का भविष्य है। लेकिन अब, जैसाकि द स्पेक्टेटर में जिक्र हुआ है, पश्चिमी देशों की युवा पीढ़ी (त्रद्दठ) फिर से सोवियत इतिहास, संस्कृति और प्रतीकों को लेकर एक "अजीब और अप्रत्याशित" आकर्षण दिखा रही है। 'द स्पेक्टेटरÓ के लेख में इस पर गहराई से चर्चा की गई है कि आधुनिक युवा सोवियत संघ के प्रति क्यों आकर्षित हो रहे हैं? हालांकि अपने दक्षिणपंथी रुझानों के कारण इस आलेख के लेखक इवो डेलिंगपोल ने अपनी इस धारणा पर भी बार-बार जोर दिया है कि यह आकर्षण मुख्य रूप से किसी गहरी वैचारिक या राजनीतिक प्रतिबद्धता का परिणाम नहीं है। यह बस एक सांस्कृतिक और सौंदर्यशास्त्रीय घटना है। बहरहाल, वे स्वीकार करते हैं कि सोवियत संघ के राष्ट्रगान की धुन पर वीडियो बनाना, पुरानी स्लाविक शैलियों के परिधानों को पहनना, और सोवियत काल की 'ब्रूटलिस्टÓ वास्तुकला पर भव्य बनी इमारतों के वीडियो को रील्स के रूप में साझा करना आज के युवाओं के बीच एक बड़ा ट्रेंड बना हुआ है। डेलिंगपोल ने स्वीकार किया है कि जेन-जेड पीढ़ी के लिए सोवियत इतिहास "शीत युद्ध के खौफ, वैचारिक दमन, या कम्युनिस्ट तानाशाही की दर्दनाक वास्तविकताओं" से कोसों दूर है। उनके लिए यह सिर्फ एक 'कूलÓ, रहस्यमयी और विजुअल रूप से आकर्षक शैली बना हुआ है, जिसे वे अपनी ऑनलाइन पहचान का हिस्सा बना रहे हैं। लेकिन हकीकत यह है कि इस प्रवृत्ति के पीछे केवल फैशन ही कारण नहीं है। बल्कि सामाजिक-आर्थिक पहलू भी इसके पीछे छिपे हैं। मसलन, अनेक युवा आधुनिक पूंजीवादी व्यवस्था की खामियों, बढ़ती महंगाई, आवास संकट और आर्थिक अस्थिरता से निराश हैं और वे व्यवस्था के विकल्प के रूप में समाजवादी विचारधारा की ओर झुकाव महसूस करने लगे हैं। मुमकिन है कि कुछ युवाओं के लिए (जैसाकि डेविंगपोल ने कहा है) यह केवल इतिहास के प्रति एक सतही जिज्ञासा भर हो, लेकिन इससे इस प्रश्न का जवाब नहीं मिलता कि आखिर यह जिज्ञासा सोवियत संघ के प्रति ही क्यों पैदा हुई है? उन्होंने कहा है कि इन प्रतीकों को केवल एक स्टाइलिश काउंटर-कल्चर के रूप में पेश किया जा रहा है, तो फिर सवाल वही है- आखिर काउंटर कल्चर के स्रोतों की तलाश उस व्यवस्था में युवा क्यों कर रहे हैं, जिसे बदनाम करने में पश्चिमी पूंजीवाद ने अपनी पूरी ताकत झोंके रखी है? बदनाम करने की वैसी ही मुहिम अतीत में कम्युनिस्ट चीन के खिलाफ भी चली, जो थोड़े समय तक मद्धम पडऩे के बाद अब फिर से बड़े प्रोपेगैंडा कैंपन का रूप लिए हुए है। मगर इस कहानी का दूसरा पहलू यह है कि इस प्रचार अभियान के बावजूद चीन के प्रति पश्चिमी युवाओं में आकर्षण बढ़ता चला गया है- इस हद तक कि इस परिघटना को चिह्नित करने के लिए चाइना-मैक्सिंग शब्द का इज़ाद किया गया है। चाइना-मैक्सिंग सोशल मीडिया पर लोकप्रिय हुआ नया ट्रेंड है, जिसमें खासकर पश्चिमी देशों के युवा चीन की संस्कृति, जीवन शैली, खान-पान, तकनीक और सामाजिक तौर-तरीकों को अपनाने तथा उनकी प्रशंसा करने लगे हैं। जाहिरा तौर पर इस शब्द के दो हिस्से हैंः इंटरनेट की भाषा में किसी चीज को अधिकतम स्तर तक अपनाना या उसमें खुद को पूरी तरह ढालना। इसके कारणों को समझने की कोशिश में विश्लेषकों ने कहा है कि यह चीन की आर्थिक और तकनीकी उपलब्धियों के प्रति बढ़ती दिलचस्पी और पश्चिमी समाज की मौजूदा जीवन शैली से उपजे असंतोष का मिला-जुला संकेत देते है। चाइना-मैक्सिंग को समझने के प्रयास में अमेरिकी समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) ने एक खास स्टोरी प्रसारित की थी। उसके मुताबिक चाइना-मैक्सिंग से प्रभावित युवा सुबह गर्म पानी पीने लगे हैं, नाश्ते में चावल और कॉजी (ष्टशठ्ठद्दद्गह्य) जैसे चीनी भोजन अपना रहे हैं, घर में चप्पल पहनने और पारंपरिक चीनी स्वास्थ्य पद्धतियों को अपनाने लगे हैं, ताई ची और चीन के पारंपरिक व्यायाम में दिलचस्पी ले रहे हैं, चीनी फैशन, संगीत, फिल्म, तकनीक और उत्पादों की प्रशंसा कर रहे हैं, और चीन की हाई-स्पीड रेल, आधुनिक शहरों, और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की सराहना कर रहे हैं। इसका एक लोकप्रिय सोशल मीडिया वाक्य हैः (यानी आप मुझसे जिंदगी के उस दौर में मिले, जो चीन का युग है।)

यह ट्रेंड 2025 में उभरना शुरू हुआ। जनवरी-फरवरी 2026 में टिकटॉक तथा इंस्टाग्राम पर यह तेजी से लोकप्रिय हुआ। तब इसको लेकर मेनस्ट्रीम मीडिया में चर्चा शुरू हुई। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक कुछ महत्त्वपूर्ण सामाजिक और राजनीतिक पहलुओं को इसका कारण समझा गया है। इनके मुताबिक पश्चिमी युवा चीन को अब केवल सस्ते सामान बनाने वाले देश के रूप में नहीं देखते। बल्कि इलेक्ट्रिक कारों, हाई-स्पीड रेल, डिजिटल तकनीक, रॉबोटिक्स, आधुनिक शहरों, और औद्योगिक क्षमता में चीन की उपलब्धियां उनके आकर्षण के बड़े कारण बन गए हैं। चीनी उत्पादों और मनोरंजन की वैश्विक लोकप्रियता भी इस प्रवृत्ति को बढ़ा रही है। इस कथा का दूसरा महत्त्वपूर्ण पहलू है- पश्चिमी देशों के बहुत से युवाओं में बाजार आधारित उपभोक्तावादी जीवन शैली, व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा और सामाजिक अलगाव को लेकर असंतोष। वे चीन में कुछ ऐसी चीजें देखते हैं, जो उनके अपने समाज में कमजोर पड़ती दिखाई देती हैं। मसलन, बेहतर सार्वजनिक परिवहन, आधुनिक शहरी सुविधाएं, तकनीकी विकास की तेज गति, सामूहिक जीवन, और पारिवारिक संस्कृति, तथा दीर्घकालिक विकास की योजनाएं। इस घटना का अर्थ है चीन का सॉफ्ट पॉवर तेजी से बढ़ा है। न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर शाओयू युवान ने एपी से कहा कि चीन का सांस्कृतिक प्रभाव अब रोजमर्रा के उपभोग, मनोरंजन और उपयोगिता के माध्यम से फैल रहा है। सवाल है कि क्या चीन की सफलताओं को वहां की शासक कम्युनिस्ट पार्टी के सोशलिस्ट विचारों और नीतियों से अलग करके समझा जा सकता है? वैसे, वर्तमान सिर्फ नौजवानों के चीन के सॉफ्ट पॉवर से प्रभावित होने तक सीमित नहीं है। अमेरिका और यूरोप में युवा पीढ़ी में सोशलिज्म के प्रति बढ़ता आकर्षण पिछले कुछ वर्षों का एक महत्त्वपूर्ण राजनीतिक-सामाजिक घटनाक्रम है। इसके पीछे पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के परिणामस्वरूप पैदा हुई गैर-बराबरी, महंगी होती आवास व्यवस्था, रोजगार की अनिश्चितता, स्वास्थ्य और शिक्षा का बढ़ा खर्च तथा भविष्य को लेकर बढ़ती निराशा जैसे कारण अहम हैं। इसका भी अर्थ यही है कि सोवियत संघ के विघटन के बाद भले सोशलिज्म को लगभग अप्रासंगिक मान लिया गया था, लेकिन सिर्फ तीन-साढ़े तीन दशक बाद नई पीढ़ी के एक हिस्से में उस विचारधारा के प्रति दिलचस्पी बढऩे लगी है, सोवियत संघ जिसका संदेशवाहक और प्रतीक था।

पश्चिम इसके आरंभिक संकेत दशक भर पहले मिलने शुरू हुए। सर्वे एजेंसी गैलप के 2018 के एक सर्वेक्षण में 18-29 वर्ष के अमेरिकी युवाओं में 51 प्रतिशत ने सोशलिज्म के प्रति सकारात्मक तब राय जताई की थी, जबकि पूंजीवाद के प्रति सकारात्मक राय रखने वालों का प्रतिशत 45 ही था। पियू रिसर्च सेंटर के 2019 के अध्ययन में भी उम्र के आधार पर बड़ा अंतर दिखाई पड़ा। उसके मुताबिक युवा अमेरिकी सोशलिज्म को बुजुर्गों की तुलना में अधिक सकारात्मक नजरिये से देखने लगे थे। यह दीगर है कि सोशलिज्म के अर्थ को लेकर अलग-अलग लोगों की समझ में काफी अंतर सामने आता रहा है। बहरहाल, अमेरिका में अब इस रुझान की अभिव्यक्ति ठोस राजनीतिक नतीजों में होने लगी है। बीते तीन नवंबर को हुए मिडटर्म चुनावों में डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट्स ऑफ़ अमेरिका (डीएसए) से जुड़े और समर्थित उम्मीदवारों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। ऐसे आठ उम्मीदवार अब हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव का सदस्य हैं। राष्ट्रीय से लेकर स्थानीय स्तरों तक के लिए हुए चुनाव में डीएसए के 50 से ज्यादा सदस्य इस बार विजयी हुए हैं। और जो रुझान अमेरिका में है, वह ब्रिटेन सहित यूरोप के भी कई हिस्सों में उभर रहा है। खासकर कोरोना काल के बाद यह प्रवृत्ति तेजी से आगे बढ़ी है। इंस्टीट्यूट ऑफ इकॉनोमिक अफेयर्स (ढ्ढश्र) की 2021 की एक सर्वे रिपोर्ट का मुख्य निष्कर्ष था कि 67 प्रतिशत युवा एक सोशलिस्ट आर्थिक व्यवस्था में रहना चाहते हैं। उनमें से 72 प्रतिशत युवा ऊर्जा, जल और रेलवे जैसे उद्योगों के फिर राष्ट्रीयकरण के पक्ष में थे। 78 प्रतिशत नौजवानों ने ब्रिटेन के आवास संकट के लिए पूंजीवाद को जिम्मेदार माना और 75 प्रतिशत ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की समस्या पूंजीवादी व्यवस्था से जुड़ी हुई है। ये आंकड़े विशेष रूप से दिलचस्प हैं, क्योंकि ढ्ढश्र मुक्त बाजार और पूंजीवादी अर्थव्यवस्था का समर्थक संस्थान है। हालिया सर्वेक्षण बताते हैं कि 2021 में जाहिर हुआ ट्रेंड अनवरत आगे बढ़ा है। इस वर्ष फ्रेजर इंस्टीट्यूट के प्रोजेक्ट के लिए कराए एक सर्वे के निष्कर्षों पर गौर करेः 18-34 वर्ष आयु वर्ग के 53 प्रतिशत ब्रिटिश युवाओं ने समाजवाद को आदर्श आर्थिक व्यवस्था माना।

बदलते युद्ध की चुनौतियों के बीच भारत की सैन्य शक्ति को नई उड़ान ड्रोन मिसाइल और आधुनिक रक्षा तकनीक से मजबूत होगी राष्ट्रीय सुरक्षा

कांतिलाल मांडोत

युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। कभी युद्ध का फैसला सैनिकों की संख्या, बंदूकों और तोपों की ताकत से होता था, लेकिन आज आधुनिक तकनीक ने युद्ध के पूरे परिदृश्य को बदल दिया है। अब आसमान से निगरानी, ड्रोन तकनीक, मिसाइल प्रणाली, अत्याधुनिक लड़ाकू विमान और हवाई रक्षा प्रणाली किसी भी देश की सैन्य शक्ति के महत्वपूर्ण आधार बन गए हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-ईरान संघर्ष ने दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दिया है कि भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए पारंपरिक सैन्य ताकत के साथ तकनीकी क्षमता भी उतनी ही आवश्यक है। भारत भी बदलती परिस्थितियों को समझते हुए अपनी सेनाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

जैसलमेर में रक्षा मंत्रालय की संसदीय परामर्शदात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसी बदलते सैन्य परिदृश्य पर महत्वपूर्ण विचार रखे। उन्होंने स्पष्ट किया कि आधुनिक युद्ध में ड्रोन, मिसाइल और एयर डिफेंस सिस्टम की भूमिका लगातार बढ़ रही है। इसलिए भारतीय सेनाओं को केवल वर्तमान जरूरतों के अनुरूप नहीं, बल्कि भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार करना सरकार की प्राथमिकता है। रक्षा मंत्री का यह संदेश बताता है कि भारत अपनी सुरक्षा व्यवस्था को समय के साथ अधिक सक्षम और आधुनिक बनाने के लिए गंभीर प्रयास कर रहा है। भारत का रक्षा बजट वित्त वर्ष 2026-27 में बढ़कर 7 लाख 85 हजार करोड़ रुपये हो गया है। इसमें सेना के आधुनिकीकरण और पूंजीगत खरीद के लिए 2 लाख 19 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। रक्षा बजट में यह बढ़ोतरी केवल हथियार खरीदने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य सेना की परिचालन क्षमता, आधुनिक तकनीक, स्वदेशी उत्पादन और राष्ट्रीय सुरक्षा के पूरे ढांचे को मजबूत करना है। किसी भी देश की आर्थिक प्रगति तभी सुरक्षित रह सकती है, जब उसकी सीमाएं सुरक्षित हों और उसकी रक्षा व्यवस्था किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम हो। भारत के लिए आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन एक बड़ी उपलब्धि के रूप में सामने आया है। वर्ष 2014-15 में देश का रक्षा उत्पादन लगभग 46,429 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर करीब 1 लाख 78 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह आंकड़ा बताता है कि भारत रक्षा क्षेत्र में विदेशी निर्भरता कम करने और घरेलू उद्योगों को मजबूत बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आज देश की बड़ी कंपनियों के साथ छोटे और मध्यम उद्योग भी रक्षा उत्पादन में अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। इससे रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ भारतीय तकनीकी क्षमता को भी प्रोत्साहन मिल रहा है।

रक्षा मंत्री ने भारतीय सेना में नई सैन्य संरचनाओं के विकास का भी उल्लेख किया। इनमें अग्नि प्लाटून, भैरव बटालियन और शक्तिबाण रेजिमेंट विशेष महत्व रखती हैं। ये नई सैन्य संरचनाएं बदलती युद्ध परिस्थितियों के अनुरूप सेना की क्षमताओं को विकसित करने के प्रयासों का हिस्सा हैं। अग्नि प्लाटून के माध्यम से पैदल सेना की प्रत्येक बटालियन को अपनी ड्रोन इकाई उपलब्ध कराने की योजना है। इसका उद्देश्य सैनिकों को निगरानी और सूचनाओं के लिए अन्य सैन्य संसाधनों पर पूरी तरह निर्भर रहने से बचाना है। आधुनिक युद्ध में समय पर सही जानकारी मिलना अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। ड्रोन तकनीक इस दिशा में सेना की सहायता कर सकती है। भैरव बटालियन को पैदल सेना और विशेष बलों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके माध्यम से सेना की विभिन्न परिचालन आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित जवानों की उपलब्धता बढ़ाने का प्रयास है। इससे विशेष बलों को अधिक जटिल और रणनीतिक महत्व वाले अभियानों पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर मिलेगा। सेना की योजना ऐसी 25 बटालियन तैयार करने की है। वहीं शक्तिबाण रेजिमेंट आधुनिक तकनीक और ड्रोन आधारित सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इन तीनों संरचनाओं का उद्देश्य सेना को बदलती परिस्थितियों के अनुरूप अधिक सक्षम बनाना है। आज आसमान से निगरानी और आधुनिक हवाई सुरक्षा किसी भी देश की रक्षा व्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुके हैं। दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने, सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और संभावित खतरों का समय रहते पता लगाने में आधुनिक तकनीक की उपयोगिता बढ़ी है। भारत ने भी अपनी हवाई रक्षा प्रणाली, मिसाइल क्षमता और स्वदेशी रक्षा उपकरणों के विकास पर विशेष ध्यान दिया है। देश की सुरक्षा केवल सीमा पर तैनात जवानों के साहस पर निर्भर नहीं करती, बल्कि उनके पास उपलब्ध आधुनिक संसाधनों और तकनीकी सहयोग पर भी निर्भर करती है। भारत के सामने पाकिस्तान और चीन जैसे पड़ोसी देशों से जुड़ी सुरक्षा चुनौतियां हमेशा महत्वपूर्ण रही हैं। पाकिस्तान की ओर से सीमा पार आतंकवाद और सुरक्षा संबंधी गतिविधियां भारत के लिए चिंता का विषय रही हैं। वहीं चीन के साथ सीमा पर सतर्कता और रणनीतिक तैयारी आवश्यक है। ऐसे में भारत की सैन्य शक्ति का आधुनिकीकरण किसी देश को चुनौती देने के लिए नहीं, बल्कि अपनी संप्रभुता, सीमाओं और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए जरूरी है। भारत की नीति शांति, संवाद और सहयोग की रही है, लेकिन शांति बनाए रखने के लिए मजबूत सुरक्षा व्यवस्था भी अनिवार्य है। जो देश अपनी रक्षा के लिए सक्षम होता है, उसकी कूटनीतिक स्थिति भी अधिक मजबूत होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की सोच को लगातार आगे बढ़ाया गया है। स्वदेशी हथियारों, रक्षा उपकरणों, तकनीकी अनुसंधान और घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने से भारत की रक्षा क्षमता में नई संभावनाएं पैदा हुई हैं। सरकार का प्रयास है कि भारतीय सेनाओं की आवश्यकताओं के अनुसार देश में ही आधुनिक तकनीक विकसित हो और विदेशी निर्भरता धीरे-धीरे कम हो। यह केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम है।

(L 103 ,जलवंत टाऊनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड, नियर नन्दालय हवेली सूरत मो 99749 40324 वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

दम के साथ सड़क पर उतरी भाजपा

एस. सुनील

सामान्य ढंग से प्रतिक्रिया देने की बजाय भाजपा पलटवार करने के रास्ते पर चल रही है और इसकी कमान संभाली है खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने। भाजपा पूरे देश में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओÓ पदयात्रा कर रही है। तेलंगाना में अमित शाह खुद तिरंगा झंडा लेकर सड़क पर उतरे और पदयात्रा का नेतृत्व किया। भारतीय जनता पार्टी दम दिखा रही है। कुछ लोगों को ऐसा लग रहा था कि भाजपा सत्ता में है और वह सड़क पर संघर्ष करना भूल गई है। वे यह भी संदेश बना रहे थे कि सड़क पर तो कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों का नियंत्रण है। जून और जुलाई में जंतर मंतर पर हुए प्रदर्शन और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद यह संदेश ज्यादा व्यापक हो गया था। कांग्रेस और पारंपरिक विपक्षी पार्टियों के साथ साथ सिविल सोसायटी भी सड़क पर दिख रही थी। उसकी प्रतिनिधि के तौर पर कॉकरोच जनता पार्टी प्रदर्शन कर रही थी। कहा जा रहा था कि युवा केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी से नाराज हैं। इससे एक विमर्श राष्ट्रीय स्तर पर बन रहा था। दिख भी रहा था कि भाजपा बैकफुट पर आई है, डिफेंसिव है और विपक्ष की ओर से तय किए गए नैरेटिव पर प्रतिक्रिया दे रही है। अब स्थिति पूरी तरह से बदल गई है। अब भाजपा प्रतिक्रिया नहीं दे रही है, बल्कि संसद के साथ साथ सड़क पर भी नियंत्रण हासिल कर रही है। इसमें कोई दो राय ही नहीं है कि चुनावी राजनीति में भाजपा बाकी पार्टियों से बहुत आगे है। लेकिन अब वह दिखा रही है कि प्रदर्शन की राजनीति में भी वह बाकियों से आगे है। असल में इलेक्टोरल पॉलिटिक्स बनाम प्रोटेस्ट पॉलिटिक्स का जो नैरेटिव बना था उसमें भाजपा ने अपनी पोजिशन रिक्लेम की है। अब वह विपक्ष को उसके अंदाज में जवाब दे रही है। कांग्रेस और कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन और कांग्रेस की रैली के बाद भाजपा अब जो कर रही है वह भाजपा का रिएक्शन नहीं है, बल्कि रिस्पांस है। इन दोनों में बहुत बारीक फर्क है। भाजपा पहले रिएक्ट कर रही थी, अब रिस्पांस दे रही है और भाजपा का रिस्पांस ऐसा है कि अब कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियां बैकफुट पर हैं। सामान्य ढंग से प्रतिक्रिया देने की बजाय भाजपा पलटवार करने के रास्ते पर चल रही है और इसकी कमान संभाली है खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने। भाजपा पूरे देश में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओÓ पदयात्रा कर रही है। तेलंगाना में अमित शाह खुद तिरंगा झंडा लेकर सड़क पर उतरे और पदयात्रा का नेतृत्व किया। उन्होंने इसके जरिए दो मैसेज दिए। पहला मैसेज बहुत बारीक है। उन्होंने कांग्रेस को वहां टारगेट किया, जहां उसे सबसे ज्यादा तकलीफ हो। साथ ही उन्होंने यह मैसेज दिया कि दक्षिण भारत में कर्नाटक के बाद तेलंगाना भाजपा की उम्मीदों का प्रदेश है। दूसरा मैसेज बहुत स्पष्ट था। अमित शाह ने कहा कि सरकार संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए तैयार है। वहां उन्होंने राहुल गांधी को बहस करने की चुनौती दी। इसके बाद भी जब राहुल गांधी संसद से बाहर ही बहस के लिए अड़े रहे तो अमित शाह ने हरियाणा की पदयात्रा में कहा कि भाजपा का कोई भी सामान्य कार्यकर्ता किसी भी चौराहे पर राहुल गांधी से बहस करने को तैयार है। इस तरह भाजपा ने संसद में और संसद के बाहर किसी भी सार्वजनिक जगह पर बहस का दांव चल दिया है। भाजपा ने 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओÓ पदयात्रा को आम जनता से भी जोड़ा। भाजपा ने यह मैसेज बनवाया कि कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियां अराजकता के जरिए सत्ता परिवर्तन की बात कर रही हैं। यह सबसे महत्वपूर्ण बात है क्योंकि भारत के नागरिकों के मन में और भारतीय समाज में भी लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरीं हैं। कोई भी सामान्य मतदाता यह कतई नहीं चाहेगा कि अराजकता के जरिए या अलोकतांत्रिक तरीके से सत्ता परिवर्तन की बात हो। रही सही कसर कांग्रेस की सहयोगी पार्टियों और प्रदर्शन में शामिल लोगों ने पूरी कर दी। पहले सीपीआई एमएल की छात्र नेता नेहा बोरा ने कहा कि वे बांग्लादेश के प्रदर्शन से प्रेरणा लेती हैं। इसके बाद प्रशांत भूषण ने 'रिजीम चेंजÓ की बात कही। अब झारखंड के कांग्रेस विधायक और हेमंत सोरेन सरकार में मंत्री इरफान अंसारी ने कहा है कि दिल्ली में 40 लाख छात्रों और युवाओं को राहुल गांधी ने रोक रखा है, अन्यथा वे सड़क पर उतर जाएंगे। उन्होंने यह भी दावा किया कि भारत के हालात बांग्लादेश और नेपाल से भी बदतर होंगे।

सवाल है कि क्या भारत के आम लोग इस बात को स्वीकार करेंगे कि भारत के हालात नेपाल और बांग्लादेश से बदतर हो? कांग्रेस को इस पर जवाब देना होगा। यह भी बताना होगा कि क्या कांग्रेस और राहुल गांधी या पारंपरिक विपक्ष की दूसरी पार्टियां इस किस्म की बातों से सहमत हैं? भाजपा इन्हीं बातों को लेकर जनता के बीच जा रही है। जब वह अराजकता हटाओ की बात करती है तो उसका उद्देश्य यह बताना होता है कि दिल्ली में कैसे नवरात्रों, दशहरा और दिवाली जैसे बड़े हिंदू त्योहारों के बीच कांग्रेस और उसके प्रॉक्सी संगठनों ने दिल्ली को बंधक बना लिया। कैसे त्योहारों के बीच प्रदर्शन किए गए और दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली की गई, जिससे करोड़ों, अरबों का व्यापार प्रभावित हुआ। दूसरी बात यह है कि अराजकता हटाओ की बात करके भाजपा भारत को बांग्लादेश और नेपाल जैसा बनाने की संभावनाओं के प्रति लोगों को आगाह कर रही है। कह सकते हैं कि कांग्रेस, कॉकरोच जनता पार्टी और अन्य विपक्षी पार्टियों ने बैठे बिठाए भाजपा को एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा थमा दिया है। ध्यान रहे इस समय नरेंद्र मोदी की सरकार तीसरे कार्यकाल के मिडटर्म में है। ढाई साल बीत गए हैं और ढाई साल के बाद लोकसभा का चुनाव है, जिसमें मोदी के नेतृत्व में भाजपा लगातार चौथा चुनाव जीतने के लिए उतरेगी। उससे पहले मतदाताओं के मन में सरकार के कामकाज को लेकर कुछ सवाल होंगे तो पार्टी कार्यकर्ता भी सत्ता के मद में होंगे। अगर जनता के अंदर कुछ थकान होगी तो कार्यकर्ताओं में लापरवाही होगी। तभी भाजपा ने इस मौके का लाभ उठा पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरने और उन्हें सड़क पर उतार कर पार्टी की सांगठनिक क्षमता की परख करने का फैसला किया।

इसका पहला लाभ तो यह हुआ कि भाजपा ने प्रभावी तरीके से कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियों के प्रोपेगेंडे का जवाब दिया और दूसरा लाभ यह हुआ कि भाजपा के कैडर में नया जोश आ गया। यह काम उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से ठीक पहले हुआ है। तीन महीने के बाद उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। भाजपा ने इन सभी राज्यों में अपने कैडर को सड़क पर उतार दिया है। इन पांच में से चार राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में भाजपा की ही सरकार है लेकिन वहां भी अब विमर्श बदल गया है। चुनाव से पहले वहां भी अराजकता हटाओ का मुद्दा जोर पकड़ रहा है। यह नैरेटिव जोर पकड़ रहा है कि विपक्षी पार्टियां मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के मसले पर संसद में या संसद के बाहर बहस से भाग रही हैं। भाजपा बता रही है कि इसका कारण यह है कि कांग्रेस को जेनुइन मतदाताओं की चिंता नहीं है, उसे घुसपैठियों के वोट की चिंता है, जिनकी बोगस वोटिंग से अब तक भाजपा विरोधी पार्टियों की राजनीति चलती थी। भाजपा का दूसरा नैरेटिव यह है कि मतदाता सूची के सफाई का विरोध कांग्रेस इसलिए कर रही है क्योंकि उसे चुनावी राजनीति नहीं, बल्कि अराजकता की राजनीति पसंद है।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको व्यापारिक रिश्तों का लाभ मिलेगा, जिससे आपका काम समय पर पूरा हो जाएगा। आज दोस्तों के साथ बाहर जाने का प्लान बनेगा। साथ ही आज परिवार से संबंधित लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय सकारात्मक रहेंगे। आज आपको किसी समस्या से राहत मिलेगी, जिससे आपका मन प्रसन्न होगा। आज आप ऑनलाइन शॉपिंग करते समय अपने बजट का ध्यान रखें, वरना महत्वपूर्ण गतिविधियां बाधित हो सकती हैं।

वृष राशिः आज सामाजिक गतिविधियों में दिन का अधिकतम समय बीतेगा। साथ ही अपने संपर्कों का दायरा और अधिक विस्तृत करना फायदेमंद रहेगा। आज अनुभवी लोगों के साथ समय व्यतीत करने से आपके व्यक्तित्व पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। आज आप बेवजह की बातों से दूर रहें और बिना मांगे किसी को सलाह न दें।

मिथुन राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज मीडिया और मार्केटिंग संबंधी व्यवसाय से नई-नई जानकारियां मिलेंगी, जिससे आपकी कार्यप्रणाली में भी गति आएगी। इस राशि की महिलाएं अपने काम को लेकर काफी उत्साहित रहेंगी। आज आपको ऑफिस में किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को पूरा करने में उच्चाधिकारियों का पूरा मार्गदर्शन मिलेगा।

कर्क राशिः आज घर वालों का भरपूर प्यार और सहयोग मिलेगा। साथ ही आज आप स्वादिष्ट भोजन का आनंद उठाएंगे। आज आपको बच्चों के प्रति सहानुभूति और स्पष्टता रखने की जरूरत है। आज आपका धार्मिक कार्यों की तरफ झुकाव थोड़ा ज्यादा रहेगा, आप शाम को मंदिर जाकर भजन-कीर्तन में समय व्यतीत करेंगे। आज माता-पिता का आशीर्वाद लेकर घर से बाहर निकलने से अधिकतर काम आसानी से होंगे।

सिंह राशिः आज आप अपने दिन की शुरुआत नई उमंग के साथ करेंगे। आज जिस काम को पूरा करने की ठान लेंगे, उसे पूरा करके ही दम लेंगे। आज आपको किसी

चौथे वनडे में भारत की शर्मनाक हार, न्यूजीलैंड ने 244 रन से रौंदा

एजेंसी, माउंट माउंगानुई



न्यूजीलैंड ने चौथे वनडे मुकाबले में शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट टीम को 244 रन से करारी शिकस्त देकर पांच मैचों की सीरीज में वापसी की। हालांकि इस शर्मनाक हार के बावजूद भारत सीरीज में 2-1 से आगे है। तीसरा मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। अब दोनों टीमों के बीच आखिरी मैच 15 नवंबर को खेला जाएगा।

बे ओवल मैदान पर 334 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम 26.4 ओवर में महज 89 रन पर सिमट गई। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने घातक गेंदबाजी करते हुए छह विकेट झटके और भारतीय बल्लेबाजी क्रम को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। विल यंग के शानदार शतक की बदौलत न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 333 रन बनाए थे। रनों के अंतर से यह वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत की दूसरी सबसे बड़ी हार है। इससे पहले भारतीय टीम को 29 अक्टूबर 2000 को शारजाह में श्रीलंका के खिलाफ 245 रन से हार का सामना करना पड़ा था। उस मुकाबले में श्रीलंका ने सनथ जयसूर्या के 189 रन की बदौलत 299 रन बनाए थे, जिसके जवाब में भारतीय टीम 26.3 ओवर में महज 54 रन पर ढेर हो गई थी। अब न्यूजीलैंड के खिलाफ 244 रन की हार इस सूची में दूसरे स्थान पर आ गई है। 334 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने पहले ही ओवर में भारतीय बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। उन्होंने पहली गेंद पर रोहित शर्मा को पवेलियन भेजा। इसके बाद विराट कोहली और कप्तान श्रेयस अय्यर भी खाता खोले बिना आउट हो गए। इस तरह भारतीय टीम ने पहले ही ओवर में बिना कोई रन बनाए तीन महत्वपूर्ण विकेट गंवा दिए। शुरुआती झटकों से भारतीय टीम उबर नहीं सकी। रुतुराज गायकवाड़ पांच रन बनाकर आउट हुए। ईशान किशन ने 53 गेंदों पर 27 रन बनाकर कुछ देर संघर्ष किया, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। अक्षर पटेल और नमन धीर ने 21-21 रन बनाए। आकिब नबी ने पांच और गुरनूर बरार ने दो रन बनाए, जबकि कुलदीप यादव एक रन बनाकर आउट हुए। अर्शदीप सिंह खाता खोले बिना नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 9.4 ओवर में 27 रन देकर छह विकेट हासिल किए। मैथ्यू फिशर ने तीन विकेट झटके। इस तरह भारतीय पारी 89 रन पर समाप्त हो गई और न्यूजीलैंड ने मुकाबला 244 रन से अपने नाम कर लिया। इससे पहले भारतीय कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज विल यंग और टिम सेफर्ट ने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 85 रन जोड़े। सेफर्ट ने 48 गेंदों पर छह चौके और तीन छक्कों की मदद से 58 रन बनाए।

फिन एलन ने भी आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने 30 गेंदों पर 41 रन बनाए। वहीं, दूसरे छोर पर विल यंग ने भारतीय गेंदबाजों का डटकर सामना किया और शानदार शतक जड़ा। यंग ने 108 गेंदों पर 125 रन की पारी खेली, जिसमें 14 चौके और चार छक्के शामिल रहे।

युवा ओलंपिक में भारत का ऐतिहासिक प्रदर्शन, 10 पदकों के साथ अभियान खत्म

एजेंसी, नई दिल्ली



सेनेगल के डकार में आयोजित युवा ओलंपिक खेलों में भारत ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए कुल 10 पदक जीते। भारतीय खिलाड़ियों ने दो स्वर्ण, तीन रजत और पांच कांस्य पदकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया। इन पदकों में खेलो इंडिया के पांच खिलाड़ियों तन्वी पत्री (बैडमिंटन), खुशबू राजकभाई (जूडो), शौर्य अंबुरे (एथलेटिक्स), गुंजन (मुक्केबाजी) और तीर्थंक पेगू (तैराकी) का योगदान रहा। भारतीय दल के 17 में से नौ खिलाड़ियों ने पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। तैराक धिनिधि देसिंघु ने इतिहास रचते हुए युवा ओलंपिक के एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। धिनिधि इससे पहले टॉप्स कार्यक्रम का भी हिस्सा रह चुकी हैं। डकार में भारत का 10 पदकों का प्रदर्शन युवा ओलंपिक इतिहास में दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारत ने इससे पहले 2018 युवा ओलंपिक में 13 पदक जीते थे। इस बार मुक्केबाज गुंजन और एल. अंबेकर मीतेई ने भारत को मुक्केबाजी में पहला स्वर्ण पदक दिलाया। शौर्य अंबुरे ने एथलेटिक्स में भारत का पहला पदक जीता, जबकि तानिया ने युवा ओलंपिक में कुश्ती का पहला पदक हासिल किया। भारत ने इन खेलों में 11 खेलों में हिस्सा लिया और सात खेलों में पदक जीतने में सफलता हासिल की। तैराकी, बीच कुश्ती और वुशू में भारत ने पहली बार पदक जीते। मुक्केबाजी में भारत ने युवा ओलंपिक के इतिहास में पहली बार स्वर्ण पदक जीतने का कारनामा किया। एल. अंबेकर मीतेई ने पुरुषों के 50 किलोग्राम वर्ग और गुंजन ने महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दो स्वर्ण पदकों के साथ भारत ने युवा ओलंपिक के किसी एक संस्करण में अपना दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्वर्ण पदक प्रदर्शन भी दर्ज किया। मुक्केबाजी में दो स्वर्ण पदकों के अलावा भारतीय खिलाड़ियों ने कई अन्य खेलों में भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। तैराकी भारत का सबसे सफल खेल रहा, जिसमें देश ने कुल तीन पदक जीते। यह युवा ओलंपिक में तैराकी में भारत के पहले तीन वैश्विक पदक भी हैं। बैडमिंटन में तन्वी पत्री ने लड़कियों की एकल स्पर्धा में रजत पदक जीता। वह युवा ओलंपिक में बैडमिंटन पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं। बीच कुश्ती में तानिया ने लड़कियों के 75 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक हासिल किया। यह युवा ओलंपिक में बीच कुश्ती में भारत का पहला पदक है। एथलेटिक्स में शौर्य अंबुरे ने लड़कियों की 100 मीटर बाधा दौड़ में कांस्य पदक जीता। वह युवा ओलंपिक में एथलेटिक्स पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। भारतीय खेल प्राधिकरण के इम्फाल स्थित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र की खिलाड़ी राजकुमारी लांचेनबी चानू ने वुशू लड़कियों की चांगक्वान संयुक्त स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

जापान मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंचे लक्ष्य सेन, जापान के तनाका को सीधे गेमों में हराया

एजेंसी, कुमामोटो



भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स 2026 के पुरुष एकल सेमीफाइनल में जगह बना ली है। आठवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में जापान के युशी तनाका को सीधे गेमों में 21-16, 21-15 से हराया। यह मुकाबला 40 मिनट तक चला।

लक्ष्य ने पहले गेम में मध्यांतर तक 11-8 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, तनाका ने वापसी करते हुए मुकाबले को चुनौतीपूर्ण बनाने की कोशिश की, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने सही समय पर अपना खेल तेज किया और 21-16 से पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला और स्कोर 4-4 से बराबर था। इसके बाद लक्ष्य ने बढ़त बनाई और मध्यांतर तक 11-9 से आगे रहे। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए 21-15 से गेम और मुकाबला जीत लिया। लक्ष्य पूरे टूर्नामेंट में शानदार लय में नजर आए हैं। उन्होंने पहले दौर में चीनी ताइपे के ची यू जेन को 21-19, 21-18 से हराकर अभियान की शुरुआत की थी। इसके बाद दूसरे दौर में चीन के डोंग तियान याओ को केवल 35 मिनट में 21-8, 21-14 से शिकस्त दी। सेमीफाइनल में लक्ष्य का सामना अब इंडोनेशिया के एल्वी फरहान से होगा। इससे पहले शुक्रवार को भारत के किदांबी श्रीकांत पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। उन्हें जापान के कोकी वतनबे ने 22-24, 15-21 से हराया।

शियाई चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारतीय महिला हॉकी टीम में मजबूत बेंच तैयार करने पर शोर्ड मारिन का जोर

एजेंसी, नई दिल्ली



भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन का लक्ष्य आगामी मध्य प्रदेश महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी भोपाल 2026 से पहले टीम में अधिक गहराई, बहुमुखी प्रतिभा और प्रतिस्पर्धा विकसित करना है। तीन बार की चैंपियन भारतीय टीम 19 से 28 नवंबर तक भोपाल में होने वाले इस टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करेगी। उसे चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और मलेशिया की चुनौती का सामना करना है। जापान में एशियाई खेलों में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद भारतीय टीम एक और महत्वपूर्ण प्रतियोगिता की तैयारी में जुटी है। इस दौरान खिलाड़ियों को अलग-अलग पोजिशन पर खेलने के लिए तैयार करने और उभरती प्रतिभाओं को खुद को साबित करने का अवसर देने पर विशेष ध्यान दिया गया है। हॉकी इंडिया को दिए साक्षात्कार में मारिन ने कहा कि टीम का मुख्य ध्यान अपने खेल में सुधार करने और अभ्यास के दौरान हासिल की गई प्रगति को प्रतियोगिता के दबाव में भी बरकरार रखने पर है। राष्ट्रीय शिविर में किए गए काम के बारे में पूछे जाने पर मारिन ने कहा, "हम टीम में अधिक गहराई तैयार करने में जुटे हैं, जिससे अभ्यास सत्र भी ज्यादा प्रतिस्पर्धी बन रहे हैं। खिलाड़ी भी इस बात को समझते हैं। इसलिए वे अपना सर्वश्रेष्ठ दे रही हैं और बहुत मेहनत कर रही हैं।" भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में नए स्टेडियम और नई पिच पर खेलने की चुनौती को लेकर उन्होंने कहा, "यह सिर्फ परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की बात है। हम पूरे साल अलग-अलग पिचों पर खेलते हैं और यह भी वैसा ही बदलाव होगा। एशियाई खेलों में पिच काफी कठिन और ऊबड़-खाबड़ थी। इसलिए हम इसे लेकर ज्यादा चिंतित नहीं हैं। विरोधी टीमों को भी इन्हीं परिस्थितियों से गुजरना होगा। इसलिए यह हमारी चिंता का विषय नहीं है।"

बिजनेस

अब एक ही अकाउंट से अमेरिका के साथ यूरोप के सात प्रमुख देशों के शेयर बाजारों में लगा सकेंगे पैसा

एजेंसी, नई दिल्ली



भारतीय निवेशकों के लिए अब विदेशी बाजारों में निवेश करने का दायरा और भी बड़ा हो गया है। अब तक केवल अमेरिकी शेयर बाजार तक सीमित रहने वाले घरेलू निवेशक अब यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी आसानी से पैसा लगा सकेंगे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की गिफ्ट सिटी स्थित सहायक कंपनी एनएसईआईएक्स ग्लोबल एक्सेस आईएफएससी लिमिटेड (एनएसईआईएक्सजीए) ने अपनी अंतरराष्ट्रीय निवेश सेवाओं का बड़ा विस्तार किया है। इस नए विस्तार के तहत प्लेटफॉर्म पर यूरोप के सात प्रमुख देशों के शेयर बाजारों को जोड़ दिया गया है। इन देशों में फ्रांस, जर्मनी, आयरलैंड, इटली, नीदरलैंड्स, स्विट्जरलैंड और यूनाइटेड किंगडम शामिल हैं। कंपनी द्वारा की गई इस घोषणा के बाद भारतीय निवेशकों के सामने वैश्विक स्तर पर निवेश के नए द्वार खुल गए हैं। इस नई व्यवस्था के जरिये निवेशकों को 11,500 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतिभूतियों (इंटरनेशनल सिक्योरिटीज) में निवेश करने का सीधा अवसर मिलेगा। इन उपलब्ध विकल्पों में 8,200 से ज्यादा यूसीआईटीएस एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स यानी ईटीएफ शामिल हैं। इसके अलावा निवेशक इन सातों देशों के स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध दिग्गज यूरोपीय कंपनियों के शेयरों की भी खरीद-बिक्री कर सकेंगे। एनएसईआईएक्सजीए के अनुसार हाल के वर्षों में भारतीय निवेशकों के बीच वैश्विक बाजारों में निवेश को लेकर रुचि काफी तेजी से बढ़ी है। निवेशक अब अपने पोर्टफोलियो को केवल घरेलू बाजार तक सीमित रखने के बजाय दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं में फैलाना चाहते हैं। इसी बढ़ती मांग को देखते हुए गिफ्ट सिटी के इस प्लेटफॉर्म ने यूरोपीय बाजारों को अपने सिस्टम से जोड़ने का फैसला लिया है। इस पूरी पहल की सबसे बड़ी विशेषता यूसीआईटीएस ईटीएफ की उपलब्धता है। यह यूरोपीय संघ के सख्त और ट्रांसपैरेंट रेगुलेटरी फ्रेमवर्क के अंतर्गत संचालित होने वाले एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स हैं। इन फंड्स के जरिए निवेशक दुनिया के अलग-अलग इंडेक्स, सेक्टर्स, थीम और एसेट क्लास में एक साथ निवेश कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि कोई निवेशक यूरोप के किसी खास इंडस्ट्रियल या टेक्निकल सेक्टर की तरक्की का लाभ उठाना चाहता है, तो उसे एक-एक कंपनी का शेयर चुनने की झंझट नहीं उठानी पड़ेगी। वह सीधे उस सेक्टर से जुड़े ईटीएफ में पैसा लगाकर पूरे सेक्टर की बढ़त का हिस्सा बन सकता है। इससे निवेशकों का जोखिम भी कम होता है और उन्हें अलग-अलग कंपनियों के रिसर्च में ज्यादा समय भी नहीं लगाना पड़ता। विशेषज्ञों के मुताबिक, भारतीय निवेशकों के लिए यूसीआईटीएस ईटीएफ का ढांचा कई मायनों में बेहद फायदेमंद साबित होता है। अमेरिकी बाजार में लिस्टेड ईटीएफ में निवेश करने पर भारतीय निवेशकों को लाभांश पर 25 प्रतिशत तक का विदहोल्डिंग टैक्स चुकाना पड़ता है। इसके अलावा अमेरिकी संपत्तियों पर एस्टेट टैक्स का जोखिम भी बना रहता है। इसके विपरीत, आयरलैंड या लक्जमबर्ग जैसे यूरोपीय देशों में पंजीकृत यूसीआईटीएस ईटीएफ में निवेश करने पर कर की दरें काफी कम होती हैं और एस्टेट टैक्स का डर भी नहीं रहता। यही वजह है कि दुनिया भर के संस्थागत और व्यक्तिगत निवेशक अंतरराष्ट्रीय निवेश के लिए इस माध्यम को अधिक पसंद करते हैं।

अमूल और मदर डेयरी के बाद वेरका ने भी की दूध के भाव में वृद्धि, 8 रुपये तक महंगा हुआ

एजेंसी, नई दिल्ली

आम आदमी की रसोई का बजट एक बार फिर से गड़बड़ा गया है। देश के प्रमुख डेयरी ब्रांड्स के लगातार दूध के दाम बढ़ाए जाने से उपभोक्ताओं पर महंगाई की दोहरी मार पड़ी है। अमूल और मदर डेयरी के बाद अब पंजाब स्टेट कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स फेडरेशन लिमिटेड के चर्चित ब्रांड वेरका ने भी अपने दूध की कीमतों में भारी बढ़ोतरी कर दी है। वेरका ने अपने विभिन्न पैकेट वाले दूध की अधिकतम खुदरा कीमतों में 1 रुपये से लेकर 8 रुपये तक का इजाफा किया है। यह नई और बढ़ी हुई दरें आज सुबह से लागू हो गई हैं। इस फैसले का सीधा असर पंजाब, चंडीगढ़, पंचकूला, मोहाली, कालका, रोपड़ और दिल्ली-एनसीआर समेत आसपास के तमाम इलाकों के करोड़ों ग्राहकों पर पड़ा है। फेडरेशन के आधिकारिक बयान के अनुसार, यह निर्णय गुरुवार को हुई एक महत्वपूर्ण बैठक के बाद लिया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित इस समीक्षा बैठक में पंजाब और पड़ोसी राज्यों की अन्य प्रमुख डेयरी कंपनियों की मौजूदा दरों का आकलन किया गया।

सब्सक्रिप्शन के लिए 19 को लॉन्च होगा वटराना रेंटल्स का आईपीओ, 27 नवंबर को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली



मटेरियल हैंडलिंग इक्विपमेंट रेंटल्स सेक्टर की कंपनी वटराना रेंटल्स लिमिटेड का 120.10 करोड़ रुपये का आईपीओ 19 नवंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च किया जाएगा। कंपनी के इस आईपीओ में निवेशक 23 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 25 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 26 नवंबर को सफल निवेशकों के डीमैट अकाउंट में शेयर क्रेडिट कर दिए जाएंगे। इसी दिन जिन निवेशकों को शेयर का अलॉटमेंट नहीं हुआ होगा, उनके लिए रिफंड की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। कंपनी के शेयर 27 नवंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 232 रुपये से लेकर 245 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 600 शेयर का है। रिटेल इंवेस्टर्स इस इश्यू में कम से कम 2 लॉट यानी 1,200 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 2,94,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 49,02,000 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इसमें ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए प्रमोटर्स द्वारा कोई बिकवाली नहीं की जा रही है। इस आईपीओ के कुल साइज में से 2,52,000 शेयर मार्केट मेकर बासन इक्विटी ब्रोकिंग लिमिटेड के लिए रिजर्व रखे गए हैं। शेष 46,50,000 शेयरों के नेट ऑफर में से क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 49.94 प्रतिशत यानी 23,22,000 शेयर सुरक्षित रखे गए हैं, जिसमें एंकर निवेशकों के 13,86,000 शेयर शामिल हैं। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 35.05 प्रतिशत यानी 16,29,600 शेयर और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए 15.02 प्रतिशत यानी 6,98,400 शेयर रिजर्व किए गए हैं। इस पूरे इश्यू के लिए वनव्यू कॉर्पोरेट एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि मां शीतला सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। इस आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री से जुटाई गई रकम में से 98.13 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कंपनी मटेरियल हैंडलिंग इक्विपमेंट, एरियल वर्क प्लेटफॉर्म और बैटरी की खरीद के लिए करेगी। इसके बाद बची शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाएगी। वटराना रेंटल्स लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कंपनी द्वारा सेबी के पास जमा किए गए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) में दी गई जानकारी के अनुसार कंपनी की वित्तीय सेहत में पिछले वित्त वर्षों के दौरान शानदार सुधार हुआ है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 18.05 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ (प्रॉफिट आफ्टर टैक्स) हुआ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 24.43 करोड़ रुपये हो गया और अगले वित्त वर्ष 2025-26 में 19 प्रतिशत की बढ़त के साथ 29.16 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

माइक्रोसॉफ्ट की सेवाएं दूसरे दिन भी बाधित, कंपनी को साजिश की आशंका नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली



सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट वैश्विक सेवा में रुकावट दूसरे दिन 13 नवंबर को भी जारी रही। दुनिया की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी को इस व्यवधान के पीछे किसी दुर्भावनापूर्ण गतिविधि या साइबर हमले का कोई संकेत नहीं मिला है। सॉफ्टवेयर कंपनी की सेवाओं से 74 देशों में लाखों व्यावसायिक और व्यक्तिगत उपयोगकर्ता प्रभावित हुए हैं। कंपनी समस्या के कारणों का पता लगा रही है, फिलहाल उसे किसी दुर्भावनापूर्ण गतिविधि की जानकारी नहीं है। कंपनी की आउटलुक और टीम्स समेत कई सेवाओं में लगातार दूसरे दिन भी व्यवधान बना रहा, जिससे भारत सहित दुनियाभर के उपयोगकर्ताओं को परेशानी हुई। माइक्रोसॉफ्ट की वैश्विक सेवा में यह व्यवधान भारतीय समयानुसार शुक्रवार को पूर्वाह्न 11 बजकर 16 मिनट पर हुआ। माइक्रोसॉफ्ट 365 के व्यावसायिक और उद्यम ग्राहकों के साथ-साथ उपभोक्ता उत्पादों के लिए भी 'सेवा में गिरावट' लिखा दिखा। कंपनी ने कहा कि वह अचानक बढ़े 'ट्रैफिक' के मूल कारण का पता लगाने और अपने बैकएंड सर्वर को फिर से चालू करने के लिए कई स्तरों पर काम कर रही है। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि फिलहाल हमें इस घटना के पीछे किसी दुर्भावनापूर्ण गतिविधि की जानकारी नहीं है। समस्या दूर होने के बाद घटना की विस्तृत जानकारी मूल कारण से जुड़ी रिपोर्ट में साझा की जाएगी।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 1,950 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,180 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। ये चमकीली धातु आज भी गुरुवार के भाव पर ही कारोबार कर रही है। कीमत में बदलाव होने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,39,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,28,190 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,28,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण यह चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,39,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,28,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,39,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,28,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने 3,050 करोड़ रुपये में इंटेलीस्मार्ट का किया अधिग्रहण

एजेंसी, नई दिल्ली



अडाणी समूह की कंपनी अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) ने राष्ट्रीय निवेश एवं अवसंरचना कोष (एनआईआईएफ) और एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) से 3,050 करोड़ रुपये में इंटेलिस्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण कर लिया है। शेयर बाजार को दी सूचना में अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) ने कहा कि उसने एनआईआईएफ और ईईएसएल से इंटेलीस्मार्ट की 100 फीसदी शेयर पूंजी का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। इसके साथ ही एनआईआईएफ के पास मौजूद इंटेलीस्मार्ट के वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय ऋणपत्र का भुगतान भी कर दिया गया है। इस 3,050 करोड़ रुपये के सौदे में इंटेलीस्मार्ट की 100 फीसदी शेयर पूंजी का अधिग्रहण और एनआईआईएफ के पास मौजूद इंटेलीस्मार्ट के वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय ऋणपत्र का भुगतान शामिल है। कंपनी ने कहा कि इस सौदे से अडाणी समूह की कंपनी की स्मार्ट मीटरिंग क्षेत्र में मौजूदगी बढ़ेगी। अडाणी समूह ने कहा कि इससे पहले 30 अक्टूबर को निष्पक्ष व्यापार नियामक भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के इंटेलीस्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर के अधिग्रहण के प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे दी थी।

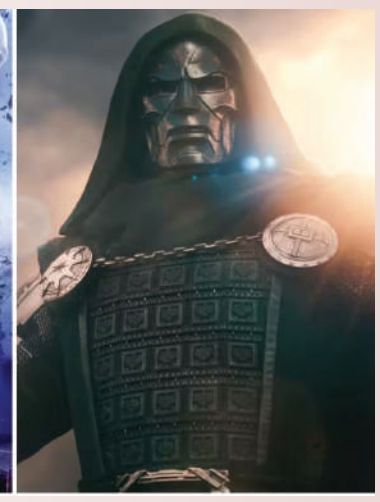
पांच दिनों में ही 270 करोड़ के पार पहुंचा हिंदी वर्जन का कारोबार



भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ते हुए बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' के हिंदी वर्जन ने बॉक्स ऑफिस पर अभूतपूर्व और ऐतिहासिक प्रदर्शन किया है। दिवाली के पावन पर्व और छुट्टियों के माहौल का भरपूर लाभ उठाते हुए फिल्म ने टिकट खिड़की पर कमाई के कई पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। बीते पांच नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली इस भव्य फिल्म को दर्शकों का अपार प्रेम मिल रहा है, जिसके चलते शुरुआती दिनों से ही सिनेमाघरों के बाहर भारी भीड़ उमड़ रही है। विशेष रूप से त्योहारी छुट्टियों के दौरान फिल्म के कारोबार में जो जबरदस्त उछाल आया है, उसने फिल्म व्यापार के तमाम जानकारों को भी चौंका दिया है। कारोबारी आंकड़ों पर नजर डालें तो फिल्म ने अपनी रिलीज के पांचवें दिन यानी बीते सोमवार को बॉक्स ऑफिस पर कमाई का एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया। अकेले सोमवार को फिल्म के हिंदी वर्जन ने भारतीय बाजार में पचानवे करोड़ रुपये का रिकॉर्डतोड़ नेट कलेक्शन किया है। इस असाधारण प्रदर्शन की बदौलत फिल्म का कुल घरेलू नेट कलेक्शन महज पांच दिनों के भीतर दो सौ सत्तर करोड़ पच्चीस लाख रुपये के जादुई आंकड़े तक पहुंच गया है, जो किसी भी भारतीय फिल्म के लिए एक अत्यंत बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। फिल्म की इस ऐतिहासिक रफ्तार को देखते हुए यह स्पष्ट हो गया है कि दिवाली की छुट्टियों में परिवार और हर वर्ग के दर्शक बड़ी संख्या में इस महागाथा को बड़े पर्दे पर देखने के लिए सिनेमाघरों का रुख कर रहे हैं। फिल्म व्यापार विश्लेषकों का मानना है कि 'रामायण' की यह सफलता न केवल इसकी भव्य प्रस्तुति का परिणाम है, बल्कि दर्शकों की गहरी आस्था और उत्साह को भी दर्शाती है। आंकड़ों के विश्लेषण से यह बात सामने आई है कि अकेले सोमवार की पचानवे करोड़ रुपये की कमाई, फिल्म के शुरुआती पांच दिनों के कुल कारोबार का लगभग पैंतीस दशमलव एक पांच प्रतिशत हिस्सा है। किसी भी फिल्म के लिए पांचवें दिन इतनी बड़ी हिस्सेदारी दर्ज करना इस बात का प्रमाण है कि फिल्म के प्रति दर्शकों की दीवानगी कम होने के बजाय लगातार बढ़ रही है। पहले दिन यानी गुरुवार को फिल्म ने सैंतालीस करोड़ रुपये की शानदार ओपनिंग ली थी, लेकिन पांचवें दिन का कलेक्शन पहले दिन की कमाई के मुकाबले एक सौ दो दशमलव एक तीन प्रतिशत अधिक रहा, जो अपने आप में एक दुर्लभ रिकॉर्ड है। इतना ही नहीं, सप्ताहांत के मुकाबले भी कार्यदिवस यानी सोमवार को फिल्म की कमाई में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। रविवार को जहां फिल्म ने सैंतीस करोड़ रुपये का कारोबार किया था, वहीं सोमवार की पचानवे करोड़ रुपये की कमाई रविवार की तुलना में एक सौ छप्पन दशमलव सात छह प्रतिशत की प्रभावशाली बढ़ोतरी को दर्शाती है। आमतौर पर रविवार के बाद सोमवार को फिल्मों की कमाई में गिरावट देखी जाती है, लेकिन दिवाली के उत्सव ने इस परंपरा को पूरी तरह पलट दिया है। देश के बड़े महानगरों से लेकर छोटे शहरों और कस्बों के सिंगल स्क्रीन सिनेमाघरों तक में अधिकांश शो हाउसफुल चल रहे हैं। वर्तमान में बॉक्स ऑफिस पर मिल रहे इस प्रचंड समर्थन को देखते हुए यह उम्मीद की जा रही है कि आने वाले दिनों में भी 'रामायण' की यह विजयी रफ्तार जारी रहेगी। फिल्म के भव्य दृश्य, सशक्त अभिनय और भारतीय संस्कृति से जुड़ी कहानी ने हर उम्र के दर्शकों को प्रभावित किया है। ट्रेड पंडितों का अनुमान है कि जिस गति से यह फिल्म आगे बढ़ रही है, उसे देखते हुए यह जल्द ही तीन सौ करोड़ और फिर चार सौ करोड़ रुपये के क्लब में भी आसानी से शामिल हो जाएगी।

'एवेंजर्सः एंडगेम एनकोर' ओटीटी पर रिलीज, 'डूम्सडे' से पहले लौटी मार्वल की ब्लॉकबस्टर





मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स के करोड़ों प्रशंसकों के लिए एक बेहद रोमांचक और बड़ी खबर सामने आई है। साल 2019 की ऐतिहासिक ब्लॉकबस्टर फिल्म 'एवेंजर्सः एंडगेम' एक बार फिर पूरी भव्यता और नए कलेवर के साथ दर्शकों के बीच लौट आई है। इस बार इस आइकॉनिक फिल्म को 'एवेंजर्सः एंडगेम एनकोर' के नाम से प्रमुख ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज कर दिया गया है। मार्वल स्टूडियोज की इस स्पेशल रिलीज़ का मुख्य उद्देश्य दर्शकों को पुरानी यादों से जोड़ने के साथ-साथ आगामी और सबसे बड़ी महागाथा 'एवेंजर्सः डूम्सडे' की पृष्ठभूमि तैयार करना है। इस नए वर्जन में कुछ विशेष और अनसुने सीन के साथ-साथ रोमांचक पोस्ट-क्रेडिट फुटेज भी जोड़े गए हैं, जो सीधे तौर पर आने वाली फिल्म की कहानी और रहस्यों से जुड़े हुए हैं। जो दर्शक किन्हीं कारणों से इस स्पेशल एडिशन को सिनेमाघरों के बड़े पर्दे पर नहीं देख पाए थे, वे अब अपने घरों में बैठकर इसका पूरा आनंद उठा सकते हैं। भारत में यह फिल्म लोकप्रिय ओटीटी प्लेटफॉर्म जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध हो चुकी है, जबकि अन्य वैश्विक देशों में इसे डिज्नी प्लस पर देखा जा सकता है। फिल्म के इस विशेष संस्करण में लगभग चार मिनट का बिल्कुल नया फुटेज और आधुनिक कलर ग्रेडिंग शामिल की गई है, जो दृश्यों को और अधिक प्रभावी बनाती है। इस री-रिलीज के पीछे मार्वल की सोची-समझी रणनीति यह है कि फैंस 'डूम्सडे' के आने से पहले मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की इस विशाल दुनिया से दोबारा गहराई से जुड़ सकें। फिल्म के नए फुटेज में सबसे बड़ा आकर्षण इसका पोस्ट-क्रेडिट सीन है, जिसमें मार्क रफैलो द्वारा निभाए गए लोकप्रिय किरदार ब्रूस बैनर यानी हल्क को एक अत्यंत गोपनीय मिलिट्री फैसिलिटी में दिखाया गया है। जमीन से कई मील नीचे खुद को एकांत में बंद कर चुके ब्रूस एक दशक से अधिक समय बाद अचानक फिर से हल्क में रूपांतरित होते नजर आते हैं। जब वह एक नया गामा सप्रेशन सीरम तैयार कर रहे होते हैं, तभी अचानक वहां घना अंधेरा छा जाता है और खूंखार विलेन डॉक्टर डूम प्रकट होते हैं।

डॉक्टर डूम का यह कहना कि 'मिस्टर बैनर, मैं आपको लेने आया हूँ,' आने वाली फिल्म के खतरनाक मोड़ों का स्पष्ट संकेत देता है। 'एवेंजर्सः एंडगेम' जब इस साल सितंबर में दुनिया भर के सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज हुई थी, तो इसे बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों का अभूतपूर्व और ऐतिहासिक समर्थन मिला था। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर्स के आंकड़ों के अनुसार, इस री-रिलीज के बाद फिल्म का कुल वैश्विक कलेक्शन लगभग दो अरब चौरानवे करोड़ डॉलर के आंकड़े को पार कर गया। इस अतिरिक्त कमाई के बल पर फिल्म ने एक बार फिर दुनिया की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की सूची में अपना दबदबा मजबूत कर लिया। मार्वल ने इस ओटीटी प्रीमियर के साथ 'काउंटडाउन टू डूम्सडे' नाम से एक विशेष टेलीविजन स्पॉट भी जारी किया है, जिसमें पिछले डेढ़ दशक की शानदार यात्रा और यादगार पलों को दर्शाया गया है। बात की जाए आगामी फिल्म 'एवेंजर्सः डूम्सडे' की, तो यह इस साल अट्ठारह दिसंबर को पूरी दुनिया के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है, जबकि भारतीय दर्शकों के लिए यह एक दिन पहले यानी सत्रह दिसंबर को ही सिनेमाघरों में दस्तक दे देगी। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में मार्वल के विभिन्न ब्रह्मांडों के कई दिग्गज सुपरहीरो एक साथ मिलकर दुनिया को बचाने की जंग लड़ेंगे। इस बार उनका मुकाबला मार्वल इतिहास के सबसे बुद्धिमान और ताकतवर खलनायकों में गिने जाने वाले डॉक्टर डूम यानी विक्टर वॉन डूम से होगा। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इस प्रतिष्ठित किरदार को कोई और नहीं बल्कि लोकप्रिय अभिनेता रॉबर्ट डाउनी जूनियर निभा रहे हैं, जिन्होंने इससे पहले आयरन मैन के रूप में दुनिया भर के दर्शकों के दिलों पर राज किया था। फिल्म में वकांडा के योद्धाओं से लेकर अर्थ-616 के थंडरबोल्ट्स, फैंटास्टिक फोर और ओरिजिनल एक्स-मेन के कलाकार एक साथ स्क्रीन साझा करते नजर आएंगे, जिसका निर्देशन अनुभवी निर्देशक एंथनी और जो रूसो बंधु कर रहे हैं। इसके अलावा, मार्वल की हालिया सीरीज 'विजनक्वेस्ट' के फिनाले में मिले संकेतों ने इस रोमांच को और अधिक बढ़ा दिया है। सीरीज के अंत में स्कारलेट विच यानी वांडा मैक्सिमॉफ की वापसी का जो इशारा मिला है, उसमें डॉक्टर डूम उनके मलबे के पास पहुंचकर उनकी जादुई शक्तियों पर अधिकार जमाने की बात कहते हैं। इन तमाम सनसनीखेज खुलासों और नए सीन्स के सामने आने के बाद अब दुनिया भर के सिनेप्रेमियों की निगाहें पूरी तरह से आगामी फिल्म पर टिकी हैं और हर कोई इस महामुकाबले को देखने के लिए उत्सुक है।

'आदर्श कुटुंबम' का बॉक्स ऑफिस पर सफर जारी बड़े मुकाबलों के बीच लागत निकालने की चुनौती



अभिनेता वेंकटेश और निर्देशक त्रिविक्रम की फिल्म 'आदर्श कुटुंबम' का शुरुआती सप्ताहांत बॉक्स ऑफिस पर मिला-जुला रहा। इस बड़ी स्टार जोड़ी और दर्शकों के बीच बनी भारी उम्मीदों के बावजूद फिल्म की शुरुआत अपेक्षा के अनुरूप नहीं हो पाई थी। हालांकि, प्रदर्शन के शुरुआती दिनों में इसकी कमाई में लगातार सुधार देखने को मिला था, जिससे निर्माताओं को बेहतर कारोबार की उम्मीद बंधी थी। आंकड़ों के मुताबिक, फिल्म ने अपने पहले सप्ताहांत में दुनियाभर में करीब 75 करोड़ रुपये का सकल कारोबार किया था। इसमें आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का सबसे बड़ा योगदान रहा, जहां से फिल्म ने 50 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की। इसके अलावा कर्नाटक से करीब आठ करोड़ रुपये और देश के अन्य हिस्सों से दो करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। इस तरह घरेलू बाजार में फिल्म की शुरुआती कुल सकल कमाई लगभग 60 करोड़ रुपये रही थी, जबकि विदेशों से इसने 15 करोड़ रुपये जुटाए थे। पारिवारिक दर्शकों के समर्थन की वजह से शुरुआती दिनों में कमाई का ग्राफ ऊपर जरूर गया, लेकिन वेंकटेश और त्रिविक्रम की लोकप्रियता को देखते हुए यह आंकड़ा उम्मीदों से थोड़ा कम माना जा रहा है। फिल्म के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी लागत निकालने की है। खबरों के अनुसार, 'आदर्श कुटुंबम' को मुनाफे में आने के लिए दुनियाभर में करीब 125 करोड़ रुपये का सकल कारोबार करना जरूरी है। शुरुआती सप्ताहांत में 75 करोड़ रुपये कमाने के बाद इसे अपना लक्ष्य पूरा करने के लिए लगभग 50 करोड़ रुपये और जुटाने की दरकार थी। इधर, पिछले सप्ताह सिनेमाघरों में उतरी बड़ी फिल्मों ने 'आदर्श कुटुंबम' की राह और कठिन कर दी है। हाल ही में रिलीज हुई बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण : भाग-1' और सूर्या अभिनीत 'सीन' के पर्दे पर आने के बाद से बॉक्स ऑफिस पर कड़ी प्रतिस्पर्धा चल रही है। दिवाली के त्योहारी सीजन और इन नई फिल्मों की मौजूदगी के बीच दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने की होड़ तेज है। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि कड़ी टक्कर के बावजूद 'आदर्श कुटुंबम' अपनी पकड़ बनाए रखते हुए लागत वसूली के आंकड़े तक पहुंच पाती है या नहीं।

'चौहान' के सेट से लीक हुआ अजय देवगन का नया लुक

आर्मी अफसर के अवतार में आए नजर

अजय देवगन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'चौहान' को लेकर चर्चा में हैं। पिछली फिल्म 'दृश्यम 3' की शानदार सफलता के बाद अभिनेता अब इस नए प्रोजेक्ट की शूटिंग में जुट गए हैं। वर्तमान में फिल्म की शूटिंग लद्दाख के कारगिल जिले में चल रही है। इसी बीच फिल्म के सेट से अजय देवगन की एक तस्वीर सामने आई है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। वायरल तस्वीर में अजय देवगन एक आर्मी अधिकारी के किरदार में दिखाई दे रहे हैं। सेना की वर्दी पहने अभिनेता का यह अनदेखा लुक काफी चर्चा बटोर रहा है, जिसमें वे पहले की तुलना में दुबले-पतले नजर आ रहे हैं। तस्वीर में उनके बाल काले-सफेद हैं, उन्होंने चश्मा पहन रखा है और उनके साथ कुछ अन्य लोग भी मौजूद हैं। नीरज यादव के निर्देशन में बन रही 'चौहान' एक एक्शन-ड्रामा फिल्म है, जिसकी कहानी साल 2018 में कश्मीर के उग्रवाद की पृष्ठभूमि पर आधारित बताई जा रही है। खबरों के अनुसार, साल 2021 में आई सिद्धार्थ मल्होत्रा की 'शेरशाह' के बाद यह पहली हिंदी फिल्म है, जिसका फिल्मांकन कारगिल में किया जा रहा है। फिल्म की टीम ने कारगिल के ऐतिहासिक और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इलाकों में शूटिंग की है, जिनमें नियंत्रण रेखा के करीब स्थित हुंडरमन और काक्सर गांव प्रमुख रूप से शामिल हैं। यूनिट से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, इस शेड्यूल के बाद फिल्म के दूसरे चरण की शूटिंग अगले महीने यानी दिसंबर से शुरू की जाएगी। यह फिल्म अगले साल 1 अक्टूबर 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



सूटकेस का चयन करते समय इन 5 बातों का रखें ध्यान



सूटकेस एक अहम यात्रा से जुड़ी वस्तु है। सही सूटकेस चुनना आपकी यात्रा को आरामदायक और सुविधाजनक बना सकता है। आजकल बाजार में कई तरह के सूटकेस उपलब्ध हैं, जिनमें से सही का चयन करना मुश्किल हो सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ जरूरी सुझाव देंगे, जिनकी मदद से आप अपने लिए सही सूटकेस चुन सकते हैं। ये सुझाव न केवल आपके सामान को सुरक्षित रखेंगे, बल्कि यात्रा को भी आरामदायक बनाएंगे।

आकार और वजन पर ध्यान दें: सूटकेस का आकार और वजन बहुत महत्वपूर्ण होता है। अगर आप हवाई यात्रा करते हैं तो हल्का और मध्यम आकार का सूटकेस सबसे अच्छा होता है, क्योंकि एयरलाइन कंपनियां अक्सर वजन सीमा निर्धारित करती हैं। इसके अलावा मध्यम आकार का सूटकेस आसानी से कैरी ऑन या चेक-इन किया जा सकता है। अगर आप सड़क यात्रा पर जा रहे हैं तो बड़ा सूटकेस चुन सकते हैं, जिसमें ज्यादा सामान आ सकता है।

सामग्री की गुणवत्ता जांचें: सूटकेस की सामग्री भी बहुत जरूरी होती है। प्लास्टिक, कपड़ा या चमड़ा, हर सामग्री की अपनी खासियत होती है। प्लास्टिक सूटकेस हल्के होते हैं, लेकिन जल्दी टूट सकते हैं। कपड़े वाले सूटकेस मजबूत होते हैं, लेकिन गंदे हो सकते हैं। चमड़े वाले सूटकेस आकर्षक होते हैं, लेकिन महंगे भी होते हैं। इसलिए, अपनी जरूरत के हिसाब से सामग्री का चुनाव करें, ताकि आपका सामान सुरक्षित रहे और यात्रा भी आरामदायक हो सके।



पहियों की गुणवत्ता देखें: सही पहिये वाला सूटकेस चुनना बेहद जरूरी है, ताकि आप उसे आसानी से घुमा सकें। दोहरे या तिहरे पहियों वाले सूटकेस सबसे अच्छे माने जाते हैं, क्योंकि ये हर दिशा में आसानी से चल सकते हैं। इसके अलावा पहियों की गुणवत्ता भी देखें, ताकि वे जल्दी खराब न हों और लंबे समय तक चल सकें। अच्छे पहिये वाला सूटकेस आपकी यात्रा को आरामदायक बना सकता है और आपको किसी भी स्थान पर पहुंचाने में मदद करेगा।

सुरक्षित ताले वाला सूटकेस चुनना बहुत अहम है, ताकि आपका सामान चोरी होने से बचा रहे। तिहरा सुरक्षा ताला या कोड लॉक सबसे अच्छे होते हैं, क्योंकि इन्हें खोलना मुश्किल होता है। इसके अलावा ताले की गुणवत्ता भी जांचें, ताकि यह लंबे समय तक टिक सके और आपके सामान को सुरक्षित रख सके। एक अच्छा ताला आपके यात्रा अनुभव को और भी सुरक्षित बना सकता है और आपको मानसिक शांति प्रदान करता है।

अतिरिक्त विशेषताओं पर गौर फरमाएं: कुछ सूटकेस में अतिरिक्त विशेषताएं, जैसे कि चार्जिंग पोर्ट और बढ़ने वाला हैंडल आदि शामिल होते हैं, जो यात्रा को और भी सुविधाजनक बना सकते हैं। अगर आप लंबे समय तक यात्रा करते हैं तो ये विशेषताएं आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकती हैं। इन सभी बातों का ध्यान रखते हुए आप अपने लिए सबसे अच्छा और सही सूटकेस चुन सकते हैं, जो आपकी यात्रा को आरामदायक और सुरक्षित बनाएगा।

BRIFF NEWS

Namo Bharat Reaches Milestone: Passenger Ridership Crosses 50 Million Mark with Rapid Growth



New Delhi, Agencies: Cumulative ridership on the Namo Bharat rapid transit corridor has officially surpassed 50 million passengers. Operations on the corridor commenced following the inauguration of the 17-kilometer priority section between Sahibabad and Duhai Depot on October 21, 2023.

It took 574 days from the start of operations for the first 10 million passengers to travel, reaching that milestone on May 16, 2025. Subsequently, ridership climbed by another 10 million in 211 days, followed by the third 10 million in 143 days, and the fourth in 101 days. Most recently, total ridership surged past 50 million on November 10, meaning the latest milestone of 10 million passengers was added in just 93 days.

Officials noted that achieving this milestone within months of opening the full corridor reflects the growing public trust in India's first Regional Rapid Transit System (RRTS) and its popularity for fast, comfortable, and reliable regional connectivity. Namo Bharat has significantly streamlined commutes between Delhi, Ghaziabad, and Meerut, prompting travelers to prioritize the service for employment, education, business, and daily transit due to air-conditioned coaches, reliable scheduling, and seamless integration with metro, rail, and bus networks.

Water Crisis Deepens in East Delhi: Foul-Smelling, Black Tap Water Supplied Across Ashok Nagar and Surrounding Areas



New Delhi,Agency: Residents across multiple neighborhoods in Trans-Yamuna faced severe distress on Thursday morning after foul-smelling, jet-black water began flowing from household taps. Complaints of contaminated water supply poured in from several colonies, including Shastri Park, Jyoti Nagar, Ashok Nagar, Sunder Nagri, and Dilshad Garden.

Throughout the morning, residents continuously contacted Delhi Jal Board officials and field staff, yet the issue remained unresolved. Securing safe water for drinking and cooking became a major ordeal; many families were forced to purchase bottled water or rely on neighbors in unaffected areas.Locals stated that the water emerged so dark in color that using it was unthinkable, accompanied by a pungent odor resembling open drainage. Residents expressed deep concern that sewage might be leaking directly into potable water pipelines, raising the immediate threat of waterborne stomach illnesses. Manmohan Saraswat, President of the West Jyoti Nagar RWA, stated that all sewage lines in their colony are choked and overflowing in multiple locations. He alleged that during the construction of a large drain along Loni Road, stormwater was diverted into the local colony sewer network, disrupting sanitation and ultimately compromising drinking water quality.

Sonia Gandhi's Memoir Sparks Debate: From Culinary Adjustments to 1984 Riots Controversy

Sonia Gandhi's Culinary Journey: From Italian Roots to a Deep Love for Indian Cuisine

New Delhi,Agency: Sonia Gandhi's memoir, Belonging: A Journey of Love, has been generating significant discussion. Amidst this, she recently shared personal insights into her life on social media.

A day after the release of her book, she reflected on her culinary experiences, noting that adapting to Indian dietary habits after moving from Italy was initially a major challenge. Over time, however, she grew to love Indian cuisine and learned to cook it herself.

Sonia Gandhi revealed a fondness for Bengali and Gujarati dishes (especially from Surat), noting that arhar dal (yellow pigeon peas) is a staple in her household kitchen. In a video alongside her daughter, Priyanka Gandhi, she admitted that it took time to develop a taste for Indian food. Among her favorite dishes, she highlighted kebabs, chicken tikka, tandoori chicken, dal mkhani, Kashmiri kofta, and haakh.

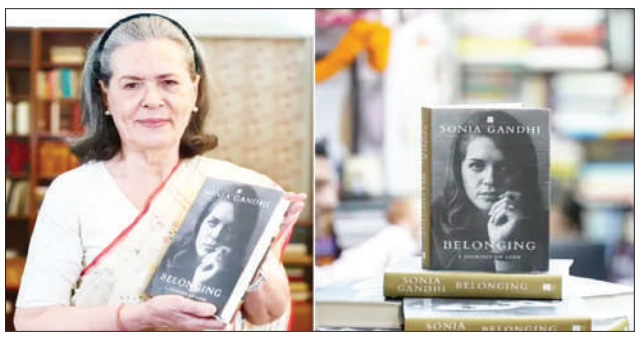


Priyanka gently reminded her that she had missed mentioning dal-chawal (lentils and rice). Sonia responded by affirming that from the day she arrived in that house until today, only arhar dal is cooked—no other lentils.In her post, she wrote that food has always been a special part of her story. It was during a search for good food that she met Rajiv and fell in love. Years later, India came to her in much the same way—one dish at a time. While the sheer variety initially startled her and the spices frightened her, dal-chawal has become the taste of home, and she cannot imagine going a single day without it. Priyanka recalled that Sonia used to make khandvi for them during childhood, which Sonia described as simple. The conversation touched upon Indira Gandhi, with Priyanka noting that her grandmother did not cook, though Sonia praised Indira's keen expertise in selecting the right ingredients to enhance flavor. In

DSGMC Slams Sonia Gandhi's Memoir as a "Pack of Lies," Demands Apology for 1984 Anti-Sikh Riots Stance

New Delhi,Agency: Delhi Sikh Gurdwara Management Committee (DSGMC) President Harmeet Singh Kalka and General Secretary Jagdeep Singh have strongly criticized Congress leader Sonia Gandhi, accusing her of distorting historical truths and attempting to give her family a clean chit regarding the 1984 anti-Sikh riots in her recent book. They asserted that the publication is a "pack of lies" rather than an honest historical account.

Jagdeep Singh stated that the book represents yet another attempt to whitewash the political legacy of the Gandhi family. Whether defending Indira Gandhi over the Emergency or attempting to absolve Rajiv Gandhi of accountability in the 1984 Sikh massacres, historical facts have been tailored for personal convenience, he claimed.



Addressing claims in the memoir that Rajiv Gandhi was deeply aggrieved by the violence, the DSGMC leaders argued that this narrative conflicts directly with his infamous public statement—"When a big tree falls, the earth shakes"—which continues to inflict emotional pain on the Sikh community. They questioned why the perpetrators received political protection and why victimized families had to struggle for justice over decades if the leadership was genuinely sorrowful.

Declaring that Sonia Gandhi's indirect acknowledgment of Congress party members' involvement in the 1984 riots raises serious questions, the committee demanded that the Congress party accept moral responsibility rather than turning away from historical reality.

They insisted that Sonia Gandhi and the Congress leadership should issue an unconditional apology to the nation and the Sikh community.

Tragic Collision in Sonia Vihar: Dumper and Auto-Rickshaw Crash Claims Three Lives, Including Newborn

Dumper and Auto Crash in East Delhi's Sonia Vihar Leaves Three Dead and Five Injured

New Delhi,Agency: A high-speed collision occurred late Wednesday night between a dumper truck and an auto-rickshaw carrying passengers along the Sonia Vihar Pushta in East Delhi. The tragic accident resulted in three fatalities and left five others injured. Among the deceased is a newborn baby, while a three-year-old child miraculously survived unhurt. The injured have been admitted to Jag Pravesh Chandra Hospital for treatment.



Police reported that the emergency call came in late Wednesday night. The auto-rickshaw was traveling from the direction of Manesar toward Sabapur village when it collided head-on with a dumper bearing registration number DL-1LY-5990, while the auto's registration was DL-1RAB-5531. The impact was severe enough to leave all passengers in the auto critically injured.

Local residents and police swiftly transported the victims to the hospital before fire department units arrived.

Startling Air Quality Report in Delhi

Traditional Hotspots Show Improvement While New Areas Witness Surging Pollution

New Delhi,Agency: A new air quality report indicates signs of improvement across Delhi's traditional pollution hotspots, though a worrying surge in particulate pollution has emerged in previously unaffected areas.

Zones such as Vivek Vihar, Sonia Vihar, and ITO have recorded pollution levels surpassing several older legacy hotspots. Meanwhile, Jahangirpuri remains Delhi's most polluted hotspot, logging a staggering PM2.5 concentration of 163 micrograms per cubic meter.

According to data released by the Centre for Science and Environment (CSE), between October 1 and November 8, 11 out of Delhi's 13 official pollution hotspots recorded lower average PM2.5 levels compared to the same period last year. Notable improvements included Anand Vihar with a 49 percent reduction, Wazirpur down 41 percent, Ashok Vihar down 40 percent, and Bawana down 22 percent. Conversely, Jahangirpuri and Punjabi Baag registered marginal increases of two percent and one percent, respectively. The primary concern lies in newly elevated readings: Vivek Vihar recorded a PM2.5 average of 144 micrograms per cubic meter, Sonia Vihar logged 139, ITO registered 137, and the Delhi Technological University (DTU) area reached 135. Readings at NIH Narela and NSUT Jaffarpur stood at 122 and 111 micrograms, respectively. Experts attribute the spike in Vivek Vihar to heavy vehicular volume, traffic congestion, road dust, and nearby construction activities, while heavy traffic loads and local emissions likely drive the numbers in ITO and Sonia Vihar. \Comprehensive source-apportionment studies are underway to confirm these factors. Pollution levels have also climbed rapidly across neighboring satellite cities including Gurugram, Faridabad, Noida, Ghaziabad, and Greater Noida.



Yamuna Cruise Fails to Match Varanasi or Kolkata Experiences Steep Fares and Lacking Scenery Leave Tourists Disappointed

New Delhi,Agency: While the launch of the cruise service on the Yamuna River has introduced a new recreational option for Delhi residents and visitors, the experience currently falls short due to a lack of scenic riverside attractions and tourism infrastructure. Without comprehensive riverfront development along the operational route, tourists find it difficult to fully enjoy the safari.

Operational grievances have also surfaced regarding pricing. Visitors are required to pay a 500-rupee ticket fee for a 30-minute ride, which many travelers consider overpriced, alongside a mandatory separate entry fee of 50 rupees to access the boarding complex.

Tourists have questioned why an extra gate fee is collected when they have already paid a substantial ticket price for the cruise, prompting localized complaints. Visitors are demanding reduced ticket pricing or an exemption from the entry fee for cruise ticketholders.



Regarding the journey itself, passengers note that once the vessel departs from the station near the Yamuna Barrage and heads toward Sonia Vihar, both banks of the river remain largely barren. Spectators occasionally gather along the banks near Sonia Vihar to wave at passing passengers, providing a brief moment of engagement, but this falls short of sustaining overall travel interest. While avian wildlife can be spotted occasionally along the western bank, offering mild diversion, the route lacks major visual landmarks. Urban planners have long discussed developing a Yamuna riverfront modeled after Sabarmati, alongside cleaning and rejuvenating the river flow. However, physical execution of such projects remains distant. By contrast, river cruises in Varanasi and Kolkata are seamlessly integrated with deep historical and religious heritage. In Varanasi, the Ganga cruise offers a 90-minute journey passing 84 historic ghats, complemented by evening packages featuring the famous Dashashwamedh Ghat aarti and illuminated riverbanks.

Similarly, Kolkata's Hooghly river cruises highlight iconic structures such as the Howrah Bridge (Rabindra Setu) and Vidyasagar Setu, passing Princep Ghat, Millennium Park, and historic heritage sites, with extended routes reaching Belur Math and Dakshineswar Kali Temple.

Supreme Court Collegium Discusses Reforming High Court Judge Transfer Norms to Curb Arbitrary Actions

New Delhi,Agency: The Supreme Court Collegium is reviewing unwritten conventions governing the transfer of judges between High Courts, historically driven by perceptions of judicial integrity, conduct, specialized expertise, or personal closeness to former Chief Justices of India (CJIs) and senior collegium members.

A five-member collegium headed by Chief Justice of India Surya Kanth held informal discussions last week to establish a clearer policy framework for inter-court transfers. The panel, which includes Justices Vikram Nath, B.V. Nagarathna, M.M. Sundresh, and P.S. Narasimha, examined ways to curtail arbitrary or preference-based transfers lacking transparent administrative justification.

Historical transfer patterns have included strategic relocations to prepare senior judges for Chief Justice roles in recipient courts, or deploying senior judges as administrative buffers to resolve friction between sitting Chief Justices and senior colleagues. Other relocations historically occurred following administrative complaints regarding courtroom conduct or personal integrity.



While transfers are occasionally utilized to leverage specialized legal expertise in specific jurisdictions, unrecorded practices have frequently involved transferring protégés of outgoing leadership figures following shifts in collegium composition. Data shows fluctuating recommendation volumes over recent years: 18 judicial transfers were recommended in 2022, 34 in 2023, 11 in 2024, 44 in 2025, and 12 in 2026. Deliberations included mechanisms to address transfer recommendations stalled by the executive branch.

Tragic End to 24-Hour Rescue Operation

Four-Year-Old Boy Found Dead Inside Water Treatment Plant Following Sewer Fall

New Delhi,Agency: A 24-hour rescue operation in West Delhi's Baprola area ended in heartbreak as search teams recovered the body of a four-year-old boy from a water treatment plant after he fell into an open sewer. Due to the condition of the remains recovered from the screening machinery, DNA profiling will be conducted to confirm identity. Police suspect that large rotating filtration drums inside the sewage treatment facility caused severe trauma to the body. The incident began Tuesday afternoon when the child slipped into an open manhole near the Kheri Baba bridge in Nangli Vihar Extension.

The body was sent for post-mortem examination. Police have registered a criminal complaint against unknown persons under Section 106(1) of the BNS for causing death by negligence, and an investigation into liability is underway. Local residents had maintained a vigil throughout the search, offering support to the grieving parents in the hope of a positive outcome. The discovery of the body plunged the community into mourning, with neighbors noting that they had gathered in solidarity to ensure the family did not feel isolated during the ordeal.